ज्ञान विचार

ऊँचाई पर वही पहुँचते है, जो बदला नहीं बदलाव लाने की सोच रखते है।

PKL NO.KKR/184/2022-24

हिन्दी पाक्षिक राष्ट्रीय समाचार पत्र

सच्ची व स्टीक खबर , आप तक

सम्पादक : जरनैल सिंह

छायाकार : राजरानी

गजब हरियाणा

Contact : 91382-03233

समस्त भारत में एक साथ प्रसारित

HAR/HIN/2018/77311

WWW.GAJABHARYANA.COM ✸ 16 अप्रैल 2023 वर्ष : 6, अंक : 02 पृष्ट : 8 मूल्य: 7/- सालाना 150/- रुपये ✸ email. gajabharyananews@gmail.com

प्रेरणास्त्रोत: डॉ. कृपा राम पुनिया IAS(Retd.), पूर्व उद्योग मंत्री हरियाणा सरकार

हार्दिक स्वागत

मार्गदर्शक: डॉ. राज रूप फुलिया, IAS (Retd), पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार तथा वाइस चांसलर, गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी हिसार एवं चौधरी देवीलाल यूनिवर्सिटी, सिरसा

महात्मा ज्योतिबा फुले और डॉ. अंबेडकर जी की जन्मोत्सव पर उमड़ा जनसैलाब

डॉ. भीमराव अंबेडकर बहुआयामी प्रशिक्षण संस्थान एक ब्लॉक का उद्घाटन और दूसरे का शिलान्यास हुआ

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कैथल। बदलाव सोसायटी हरियाणा द्वारा कैथल में शुगर मिल करनाल रोड के सामने 9 अप्रैल को राष्ट्रपिता महात्मा ज्योतिबा फुले और भारतरत्न बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में छात्र सम्मान व उद्घाटन समारोह का आयोजित किया गया जिसमें डॉ भीमराव अंबेडकर बहुआयामी प्रशिक्षण संस्थान के एक ब्लॉक का उद्घाटन और दूसरे का शिलान्यास किया गया। इस संस्थान के लिए एक एकड़ जमीन खरीदी गई है जिसको खरीदने में समाज के लोगों का विशेष सहयोग रहा है।

इस दौरान छात्र 2021-2022 सैशन के अव्वल विद्यार्थी शामिल रहे। कक्षा दसवीं एवं बारहवीं में 80 प्रतिशत , ग्रेजुएशन 75 प्रतिशत, पोस्ट ग्रेजुएशन 70 प्रतिशत से अधिक अंकों से पास की। एचटेट,पीएचडी, नेट, गेट, पास किया,एमबीबीएस, आई.आई.टी कोर्सों में एडमिशन, जिनकी सरकारी नौकरी में ज्वाइनिंग हुई उन्हें प्रशस्ति पत्र और शील्ड देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से हरियाणा के पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं सेवानिवृत आईएएस डॉ आर.आर फुलिया ने शिरकत कर संबोधित किया। हरियाणा, उत्तरप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, पंजाब, महाराष्ट्र, हिमाचल व जम्मू कश्मीर आदि प्रदेशों से प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में भाग लिया और अपने विचार रखे।

स्कूलों के विद्याथ्रियों ने प्रस्तुतिओं द्वारा तथागत बुद्ध, बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर, महात्मा ज्योतिबा फुले,माता सावित्री बाई फुले, देश भक्तों की देश और समाज के प्रति समर्पित सेवा भावना, निष्ठा को दर्शाया। मंच का संचालन मनोज पंवार ने बखूबी किया।

जम्मू कश्मीर से माता सावित्री बाई स्कूल की संचालिका सुनीता बंगोत्रा ने कहा कि बदलाव सोसाइटी समाज के लिए सराहनीय कार्य कर रही है जोकि इस कार्यक्रम के माध्यम से दिखाई दे रहा है। संस्था समाज के विद्यार्थियों को अग्रिम पंक्ति में लाने के लिए प्रयासरत है और इसमें एक दिन सफलता जरूर मिलेगी।

डॉ आर आर फुलिया ने कहा कि आप लोगों को यह आभास अपनी जिंदगी में जरूर रखना है कि हम जिस कम्यूनिटी से आते है, उसमें क्या क्या आपने देखा है? हमें अंधविश्वास व पाखंडवाद से दूर रहना चाहिए क्योंकि वहां हमारी एनर्जी खराब होती है और हम भटक जाते हैं।

उसे ऐसा लगता है कि आदमी जो सोच लेता है वह जरूर होता है आज नहीं तो कल होता है। आज यहां स्कूल बना है तो कल यहां एक कॉलेज जरूर बनेगा। हम कोशिश करेंगे कि यहां पर हरियाणा स्तर की यूनिवर्सिटी स्थापित की जाए। वह चाहते हैं कि इन स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी से पढकर बच्चे आईएएस बने, इन्हें सारी सुविधाएं उपलब्ध हो और हमारे से दो-तीन गुणा ज्यादा करके दिखाएं। हमने अपने समय में खुद सारा काम करके अपनी मास्टर्स पूरी करी है, वह चाहते हैं कि हमारे बच्चे बाहर जाकर विदेशों में पढ़ाई करें और बाबा साहेब से भी ज्यादा डिग्रियां हासिल कर देश और समाज का नाम ऊंचा करें।

फुलिया ने कहा कि हमें अपने बच्चों को गायन की तरफ भी लेकर जाना चाहिए इससे मन को शांति प्राप्त होगी और अध्यात्म की तरफ ध्यान लगेगा।उन्होंने समाज के लोगों को नशे जैसी बुरी लतों से बचकर अपने बच्चों की शिक्षा पर ध्यान देंने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा बच्चों को पढ़ाकर, उन्हें अच्छे संस्कार देकर, शिक्षित करके लाखों करोड़ों रुपए से ज्यादा का काम किया जा रहा है, हम सबको मिलकर इस कार्य को ऐसे ही आगे लेकर जाना है। वह सभी लोगों से निवेदन करते हैं कि सभी महीने के किसी भी रविवार को समय निकालकर आए और अपनी समस्याओं के बारे में मिलकर विचार करें और उनका समाधान निकालने के प्रयास करें।

एमडीएन पब्लिक स्कूल कलायत को उत्कृष्ट प्रस्तुति पर मिला प्रथम स्थान

इस दौरान प्रथम एमडीएन पब्लिक स्कूल कलायत प्रथम, द्वितीय डॉ. भीमराव अम्बेडकर पुस्तकालय कलायत द्वितीय, तृतीय- माता सावित्रीबाई फुले निशुल्क पाठशाला नरवाना (टीम मुस्कान) तृतीय रही। एसआरडी पब्लिक स्कूल कैथल, डॉ. भीमराव अम्बेडकर एजुकेशनल ट्रस्ट चैनौत हिसार, टीम अजय फतेहपुर, डॉ. भीमराव अम्बेडकर पुस्तकालय पाई सहित सात टीमों को सांत्वना पुरस्कार दिए गए। मनदीप बौद्ध, सुरेश गोंदर, मुस्कान मेहरा ने भीम गीतों द्वारा सभी का मन मोह लिया।

कार्यक्रम में समाजसेवी संस्थाओं, समाजसेवियों, गायकों, शिक्षकों, खिलाडियों, कवियों, पत्रकारों व महिलाओं को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बदलाव सोशल सोसाइटी की टीम के सभी पदाधिकारियों, सदस्यों व समाजसेवियों ने अपनी जिम्मेवारियां तन्मयता से निभाई।

रमेश फुले के निवास पर किया कुमारी शैलजा का जोरदार स्वागत

देश में जातीय गणना की जरूरत : शैलजा

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की महासचिव एवं छत्तीसगढ़ की प्रभारी कुमारी शैलजा रविवार के पूर्व अधीक्षक अभियंता रमेश कुमार के सैक्टर-2 कुरुक्षेत्र स्थित निवास स्थान पर पहुंची। वहां पहुंचने पर रमेश कुमार के नेतृत्व में नीलोखेड़ी हलका से पहुंचे बड़ी संख्यां में लोगों ने शैलजा का जोरदार स्वागत किया और उनके स्वागत के लिए जिला से भी बड़ी संख्यां में कार्यकर्ता पहुंचे।

कुमारी शैलजा ने कहा कि भाजपा सरकार तानाशाह का रवैया अपना रही है। प्रधानमंत्री ने अपने कुछ मित्रों के हाथों देश को बेच कर देश की जनता को भिखारी बनाने का काम किया है। कांग्रेस ही देश की एकता अखंडता को सुरक्षित रख सकती है। आज देश में जातीय गणना की जरूरत है और कांग्रेस की सरकार बनने पर जातीय गणना जरूर करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि भारत देश को अन्य देशों की तुलना में अग्रिम पंक्ति में लाने के लिए राहुल गांधी भी हमेशा तत्पर रहे हैं और भविष्य के लिए भी पार्टी ने ऐसी योजनाएं बनाई हैं, लेकिन कार्यकर्ताओं को राहुल गांधी को मजबूत बनाना होगा।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ही उनके नेता है और भाजपा सरकार उनके सवालों का जवाब देने की बजाए उन्हें दबाने में लगी है, लेकिन देश प्रदेश की जनता राहुल गांधी के साथ है। रमेश कुमार फुले ने कहा कि कांग्रेस की नीतियां हमेशा आम जनता के हितों में रही है लेकिन मौजूदा सरकार से हर वर्ग परेशान हैं। कर्मचारी, किसान, आढ़ती व सरपंच आदि को भी अपनी मांगों को लेकर सडकों आने को मजबूर होना पड़ा।

रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है, सभी को

रक्तदान अवश्य करना चाहिए : संदीप गर्ग

गांव मंगोली रांगडान में डा. भीमराव अम्बेडकर जयंती पर किया रक्तदान शिविर का आयोजन

गजब हरियाणा न्यूज/शर्मा

बाबैन । बाबैन के गांव मंगौली रांगडान में डा. भीमराव अम्बेडकर व महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंती के उपलक्ष में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यातिथि के रूप में स्टालवार्ट फांउडेशन के चेयरमैन एवं समाजसेवी संदीप गर्ग ने शिरकत कर रक्तदाताओं को बैच लगाकर शिविर का शुभारंभ किया। समाजसेवी संदीप गर्ग ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। यदि कोई व्यक्ति अपना रक्तदान करता है तो समय पडने पर तीन लोगों की उसके एक यूनिट से जान बचाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि हम सभी को रक्तदान जैसे शिविरों में बढ़-चढकर भाग लेना चाहिए। जिससे कि जिससे न केवल यह समाज सेवा का कार्य होता है, बल्कि जरूरत पडने में रक्त लोगों के काम भी आ सकता है। वहीं उन्होंने डा. भीमराव अंबेडकर जयंती को लेकर कहा कि डा. भीमराव अंबेडकर ने संविधान लिखा था और जो आज तक चल रहा है। वहीं कार्यक्रम आयोजक प्रदीप कुमार ने बताया कि समाजसेवी संदीप गर्ग सभी धार्मिक व सामाजिक कार्यो में अपनी भागीदारी देने के लिए सबसे आगे रहते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे ही व्यक्ति को जनता को चुनना चाहिए और 2024 में समाजसेवी संदीप गर्ग को विधानसभा भेजने का काम करेंगे। वहीं कई स्कूलों के बच्चों को सम्मानित करने का काम भी किया गया। मौके पर सरपंच प्रतिनिधि ताजबीर सिंह, उदयवीर सिंह, प्रेमचंद, जयचंद, मंगल सिंह, गुरदास, ऋषिपाल, लाभ सिंह, अनिल कुमार, गुरदीप कुमार, संजीव कुमार आदि मौजूद थे।

विभिन्न संगठनों ने निकाली संविधान कार्यान्वयन चेतना रैली

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र। बुधवार को मूलनिवासी संघ, मूलनिवासी विद्यार्थी संघ, मूलनिवासी सभ्यता संघ आदि संगठनों द्वारा 'संविधान कार्यान्वयन चेतना रैली' का आयोजन किया गया। यह रैली नए बस स्टैंड के ताज पार्क से मोहन नगर सेक्टर- 13 व अन्य सेक्टरों से गुजरती हुई वापिस ताज पार्क में सम्पन्न हुई। उपरांत बैठक भी आयोजित की गई। जिसमे मूलनिवासी संघ हरियाणा के कोषाध्यक्ष जिले सिंह सभरवाल, बलबीर सिंह प्रजापत, लाल सिंह आर्य, राजाराम बिबियान ने संबोधित किया। इस रैली में आसपास के कई गांवों के लोग मौजूद थे। रैली निकालने का मुख्य उद्देश्य भारत के संविधान को सही रूप में लागू करवाना एवं आम लोगों को संविधान के बारे में जागृत करना था।

गांव में स्वास्थ्य सुविधाएं बदतर

समूचा भारत स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली की मार झेल रहा है। यही वजह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में आम जन या तो झोलाछाप डाक्टरों से इलाज कराने को विवश हैं या फिर झाड़फूंक के जरिए अपनी बीमारियों से निजात पाने का प्रयास करते हैं। सरकारी डाक्टरों की ग्रामीण क्षेत्रों में तैनाती होने के बावजूद वे गांवों में नहीं जाते, शहरों में अपना चिकित्सा केंद्र शुरू कर देते हैं। आखिर यह किसका दोष है, कौन जिम्मेदार है।

कहते हैं कि असली भारत तो गांवों में बसता है। मगर गांव के लोगों की सेहत का खयाल रखने वाले चिकित्सा केंद्र 21वीं सदी के भारत में भी बदतर ही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में चलने वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सा विशेषज्ञों की काफी कमी देखी जा रही है। इससे शहर और गांव के बीच एक ऐसी खाई बन रही है, जिसके परिणाम भविष्य में भयावह हो सकते हैं। भले देश में तरक्की के कितने भी दावे किए जाएं, पर गांवों में करीब 80 फीसद चिकित्सा विशेषज्ञों की कमी होना अपने आप में कई सवाल पैदा करता है। ऐसे में स्वस्थ भारत और खुशहाल भारत कैसे बनेगा? महात्मा गांधी ने कहा था कि 'स्वास्थ्य ही वास्तविक पूंजी है, न कि सोने-चांदी के टुकड़े।' अब गांवों में अगर मूलभूत सुविधाएं ही नहीं हैं और स्वास्थ्य केंद्र सुविधाओं की कमी से जूझ रहे हैं, तो ग्रामीण भारत की हालत कैसे सुधर सकती है? ग्रामीण अंचल स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में काफी पिछड़े हुए हैं। इसकी बानगी ग्रामीण स्वास्थ्य सांख्यिकी 2021-22 रिपोर्ट पेश करती है।

इस रिपोर्ट के मुताबिक देश के ग्रामीण क्षेत्रों में सर्जन डाक्टरों की लगभग 83 प्रतिशत कमी है। बालरोग चिकित्सकों की 81.6 फीसद और फिजिशियन की 79.1 प्रतिशत कमी है। यही हाल प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञों की है। ग्रामीण क्षेत्रों में इनकी अमूमन 72.2 प्रतिशत की कमी है। इतना ही नहीं, वहां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) की हालत भी ठीक नहीं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने ग्रामीण क्षेत्रों की स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर उचित ही चिंता जाहिर की है। हम विश्वगुरु बनने का दिवास्वप्न देखकर ही खुश नहीं हो सकते, जब तक कि वास्तविक स्थिति में आमूलचूल परिवर्तन न आए। गौरतलब है कि जनवरी 2023 में उच्चतम न्यायालय ने अपने फैसले में कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को शहरी क्षेत्रों की तरह समान स्वास्थ्य सुविधाओं का अधिकार है। अदालत ने कहा कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाओं की पहुंच बढ़ाने को बाध्य है।

ग्रामीण आबादी की देखभाल के लिए योग्य डाक्टरों की नियुक्ति की जानी चाहिए। न्यायमूर्ति बीआर गवई और बी वी नागरत्ना की पीठ ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने में ग्रामीण और शहरी आबादी के बीच भेदभाव नहीं होना चाहिए। कल्याणकारी राज्य में शहर और गांव के आधार पर लोगों के साथ भेदभाव कदापि नहीं होना चाहिए। आज दुनिया के हर क्षेत्र में जब तेजी से तरक्की हो रही है, तो फिर भारत के ग्रामीण क्षेत्र स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में काफी पीछे क्यों हैं? इस पर बहस की जरूरत है, न कि पांच खरब डालर की अर्थव्यवस्था का ख्वाब दिखाकर ग्रामीण और दूरदराज में रहने वाली जनता के जीवन जीने का अधिकार छीन लेने की! एक आंकड़े के अनुसार गरीब परिवारों का जीवनकाल, बीस प्रतिशत समृद्ध परिवारों के मुकाबले औसतन सात साल तक छोटा होता है।

अब इसे न्याय की तराजू पर रखकर तौलिए, फिर सहज ही अंदाजा लगेगा कि लोकतंत्र में लोगों की कीमत क्या है? कहीं लोकतंत्र और संवैधानिक देश भी अर्थतंत्र की चौखट पर घुटने टेकने को मजबूर तो नहीं? एक मौजूं सवाल यह भी है कि जिस देश में इलाज पर होने वाला आधे से अधिक खर्च किसी व्यक्ति की जेब से होता हो, तो देश में 27 रुपए कमा कर गरीबी रेखा से बाहर निकल जाने वाला व्यक्ति खाएगा क्या और कोई बीमार पड़ा तो इलाज कराएगा कैसे? सुदूर अंचलों और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का आधार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र होते हैं, मगर जब कोई गरीब इलाज के लिए इन केंद्रों पर पहुंचता है, तो वहां बेशुमार खामियां नजर आती हैं। भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में 31 सौ मरीजों पर मात्र एक बिस्तर है। कई राज्यों में यह आंकड़ा और भी खराब है। बिहार में 18 हजार ग्रामीणों पर सिर्फ एक बिस्तर की व्यवस्था है और उत्तर प्रदेश में 39 सौ मरीजों पर एक बिस्तर की।

इसी तरह ग्रामीण क्षेत्रों में 26 हजार की आबादी पर एक चिकित्सक है, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि हर एक हजार लोगों पर एक डाक्टर अवश्य होना चाहिए। अब गांव का गरीब व्यक्ति इलाज के लिए पैसे जोड़े या बच्चों की शिक्षा के लिए? यह बड़ा सवाल होता है। स्वास्थ्य और शिक्षा लोकतांत्रिक देश में मुफ्त या सस्ती, सुलभ होनी चाहिए, पर हमारे देश में हालत इसके ठीक उलट है। शिक्षा और स्वास्थ्य अब देश में कमाई का जरिया बन चुका है। हालांकि सरकार ने कुछ ऐसे प्रयास किए हैं, जिससे ग्रामीण व गरीब लोगों तक सस्ती और बेहतर सुविधाएं पहुंच सकें। इसमें आयुष्मान भारत योजना शामिल है, जिसका उद्देश्य 50 करोड़ से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करना है। पर आयुष्मान भारत योजना भी अपर्याप्त वित्त पोषण, स्वास्थ्य कर्मियों की कमी और अपर्याप्त आधारभूत संरचना की वजह से हांफती हुई दिखती है। गांव में स्वास्थ्य से जुड़ी असंख्य समस्याएं हैं, जिनसे ग्रामीण लोग जूझ रहे हैं।

पीने योग्य साफ पानी की अनुपलब्धता, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अच्छी सड़कें और रोजगार के साधन जैसी समस्याओं पर अक्सर नेताओं को भी विचार-विमर्श करते देखा जा सकता है, लेकिन होता वही है-ढाक के तीन पात। इसी वजह से अब जमीनी हकीकत आज भी खराब है और सिर्फ कागजों में देश के गांवों की हालत गुलाबी कही जा सकती है। संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत जीवन जीने की स्वतंत्रता है। पर ग्रामीण इलाकों में अनेक स्वास्थ्य केंद्र ऐसे हैं, जहां वर्षों से डाक्टर झांक कर देखने तक नहीं गए कि सरकारी भवन बचा भी है कि धराशाई हो गया। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना आज भी बड़ी चुनौती बना हुआ है। देश में स्वास्थ्य सेवाओं की दुर्दशा यह बताने के लिए काफी है कि अब भी हमें इस क्षेत्र में काफी सुधार करने की आवश्यकता है। सुधार सिर्फ सेवाओं में नहीं, जरूरत मानसिकता में बदलाव की भी है।

देश में आजादी के बाद से ही भ्रष्टाचार का रोग बढ़ता चला गया है, जिसका असर स्वास्थ्य सेवाओं पर साफ देखा जा सकता है। ऐसे में आने वाले दिनों में कहीं सरकारें स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी सभी को आत्मनिर्भर होने को न कह दें, डर अब इस बात का भी सता रहा है। मीडिया रपटें बताती हैं कि बिहार में 31 प्रतिशत स्वास्थ्य केंद्रों पर न पीने के पानी की सुविधा है और न ही बिजली की। बरसात के मौसम में अस्पताल के अंदर पानी भर जाने की तस्वीरें तो लगभग हर किसी ने देखी होगी। यह किसी एक राज्य की समस्या नहीं है, बल्कि समूचा भारत स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली की मार झेल रहा है। यही वजह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में आम जन या तो झोलाछाप डाक्टरों से इलाज कराने को विवश हैं या फिर झाड़फूंक के जरिए बीमारियों से निजात पाने का प्रयास करते हैं।

सरकारी डाक्टरों की ग्रामीण क्षेत्रों में तैनाती होने के बावजूद वे गांवों में नहीं जाते, शहरों में अपना चिकित्सा केंद्र शुरू कर देते हैं। ऐसे में असमानता की मार आज भी गरीब लोग झेल रहे हैं, लेकिन लोकतंत्र और संविधान की दुहाई देकर राजनीतिक दल अपना उल्लू सीधा करने में लगे हुए हैं। अगर सचमुच गरीब और ग्रामीणों की सुध लेनी है, तो उन तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने की कोशिश होनी चाहिए और यह दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति और सार्वजनिक-निजी भागीदारी से ही संभव है।

जरनैल रंगा

यूपीआई लेनदेन पर शुल्क का ब्रेन गेम

यह सलाह दी जाती है कि 'मदर थेरेसा' न बनें और अपने बैंक के साथ-साथ अपने यूपीआई भुगतान प्रणाली का बुद्धिमानी से उपयोग करें। हमेशा ध्यान रखें कि राजस्व विभाग आपसे अधिक से अधिक धन वसूलने का इच्छुक है, क्योंकि इसके लिए उन्हें भुगतान किया जाता है और आपकी दया या सहानुभूति आपको परेशानी में डाल सकती है। अत्यधिक यूपीआई का उपयोग करने से नकद छूट/छूट/प्रोत्साहन प्राप्त करने का आपका लालच आपको परेशानी में डाल सकता है, जिसकी कीमत आपको भविष्य में बहुत अधिक चुकानी पड़ेगी।

एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई)एक ऐसी तकनीक है जो विभिन्न बैंक खातों को एक ही मोबाइल ऐप (किसी भी भाग लेने वाले बैंक के) में समेकित करती है - तत्काल रीयल-टाइम भुगतान प्रणाली प्रदान करती है; उपयोगकर्ताओं को दूसरे पक्ष को अपने बैंक खाते का विवरण प्रकट किए बिना कई बैंक खातों में धन हस्तांतरित करने की अनुमति देती है। यह तत्काल भुगतान सेवा का एक उन्नत संस्करण है, जो चौबीसों घंटे धन हस्तांतरण सेवा है जो तेज, आसान और अधिक निर्बाध कैशलेस भुगतान को सक्षम बनाता है।

इसे भारतीय रिजर्व बैंक और भारतीय बैंक संघ के साथ मिलकर 2016 में एनपीसीएल द्वारा लॉन्च किया गया था। 1 अप्रैल से, इस प्लेटफॉर्म पर प्रीपेड भुगतान उपकरणों का उपयोग करके अधिक का भुगतान किया जाता है, जो एक छोटा सा हिस्सा है। इसका उपयोग अब मुक्त नहीं होगा। इन पर भुगतान स्वीकार करने वाले व्यापारी के बैंक को भुगतानकर्ता के बैंक को 0.5त्न-1.1त्न का इंटरचेंज शुल्क देना होगा।

भीम यूपीआई नागरिकों के पसंदीदा भुगतान मोड के रूप में उभरा है और जनवरी 2023 में 12.98 लाख करोड़ के मूल्य के साथ 803.6 करोड़ डिजिटल भुगतान लेनदेन दर्ज किए गए हैं। नकद के विपरीत, पैसा डिजिटल का उपयोग करके लाभार्थी के खाते में तुरंत स्थानांतरित किया जा सकता है। इसके अलावा, बीएचआईएम-यूपीआई मोड का उपयोग करके, मोबाइल नंबर या याद रखने में आसान वर्चुअल भुगतान पता (ईमेल जैसा पता) का उपयोग करके मोबाइल फोन के माध्यम से डिजिटल लेनदेन को प्रभावित किया जा सकता है। यूपीआई ने एक ही मोबाइल ऐप में कई बैंक खातों तक पहुंच को सक्षम बनाया है, जिससे भुगतान में आसानी हुई है।

डिजिटल भुगतान किसी भी समय, कहीं भी खातों तक पहुंच प्रदान करता है, इस प्रकार नागरिकों को अपने खातों में भुगतान प्राप्त करना और अपने फोन का उपयोग करके भुगतान करना भी आसान बनाता है। जो लोग समय से बाधित हो सकते हैं, और लेनदेन के लिए बैंक आउटलेट तक भौतिक रूप से पहुंचने में शामिल यात्रा लागत अब आसानी से बैंक खाते तक डिजिटल रूप से पहुंच सकते हैं और औपचारिक बैंकिंग प्रणाली का हिस्सा होने और वित्तीय रूप से शामिल होने के विभिन्न लाभ प्राप्त कर सकते हैं। हाल ही में लॉन्च किया गया यूपीआई 123 फीचर फोन उपयोगकर्ताओं को सहायक वॉयस मोड में यूपीआई के माध्यम से डिजिटल लेनदेन करने में सक्षम बनाता है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल लेनदेन और वित्तीय समावेशन की सुविधा मिलती है।

सरकारी प्रणाली में पारदर्शिता में वृद्धि-पहले नकद भुगतान 'रिसाव' (वे भुगतान जो पूर्ण रूप से प्राप्तकर्ता तक नहीं पहुँचते) और (नकली) प्राप्तकर्ताओं के अधीन थे, विशेष रूप से सरकारी हस्तांतरण द्वारा सामाजिक सुरक्षा लाभों के संदर्भ में। अब, भुगतान के डिजिटल तरीकों के माध्यम से लाभ सीधे लक्षित लाभार्थी (प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण) खाते में स्थानांतरित किए जाते हैं। देरी से होने वाले नकद भुगतान के विपरीत, डिजिटल भुगतान वस्तुत: तात्कालिक हो सकता है, भले ही प्रेषक और प्राप्तकर्ता एक ही शहर, जिले या देश में हों।

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह प्रणाली ग्राहक को रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन तकनीक का उपयोग करके टोल पर बिना रुके एनईटीसी-सक्षम टोल प्लाजा पर इलेक्ट्रॉनिक भुगतान करने में सक्षम बनाती है। भारत बिल पेमेंट सिस्टम (बीबीपीएस) इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, मोबाइल ऐप, भीम-यूपीआई आदि जैसे कई चैनलों के माध्यम से उपभोक्ताओं को एक इंटरऑपरेबल और आसानी से सुलभ बिल भुगतान सेवा प्रदान करता है। नागरिक बीबीपीएस के माध्यम से कभी भी, कहीं भी आसान बिल भुगतान कर सकते हैं।

नकद भुगतान के विपरीत, डिजिटल भुगतान स्वचालित रूप से उपयोगकर्ता के वित्तीय पदचिह्न स्थापित करते हैं, जिससे क्रेडिट सहित औपचारिक वित्तीय सेवाओं तक पहुंच बढ़ जाती है। बैंक और अन्य ऋण देने वाली संस्थाएं डिजिटल लेनदेन इतिहास का उपयोग खुदरा ऋण देने और व्यवसायों को उधार देने के लिए नकदी प्रवाह-आधारित ऋण निर्णय लेने के लिए कर सकती हैं, जिसमें छोटे व्यवसाय भी शामिल हैं, जिन्हें सत्यापन योग्य नकदी प्रवाह की अनुपस्थिति में क्रेडिट प्राप्त करने में कठिनाई हो सकती है।

नकद भुगतान के प्राप्तकर्ताओं को न केवल अक्सर अपने भुगतान प्राप्त करने के लिए काफी दूरी तय करनी पड़ती है बल्कि चोरी के लिए भी विशेष रूप से कमजोर होते हैं। भारत भर में डिजिटल भुगतान सुरक्षित हैं क्योंकि लेन-देन करने के लिए प्रमाणीकरण के कई स्तरों की आवश्यकता होती है। वैश्विक बैंकिंग और वित्तीय सेवा उद्योग में साइबर अपराध का खतरा कोरोनावायरस महामारी के बीच बढ़ गया है। दुर्भावनापूर्ण सॉफ्टवेयर सर्बरस कपटपूर्ण दावे, शुल्क-वापसी, नकली खरीदार खाते, प्रचार/कूपन दुरुपयोग, खाता अधिग्रहण, पहचान की चोरी, कार्ड विवरण की चोरी और त्रिकोणीय धोखाधड़ी चुनौतियों के रूप में उभर रहे हैं। डिजिटल साक्षरता की कमी एक और चुनौती है जिसका कई लोग सामना कर रहे हैं।

एक सही ढंग से संरचित सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) नीति भारतीय आबादी के लिए अधिक डिजिटल बुनियादी ढांचे, पहुंच और साक्षरता के लिए बाजार के खिलाड़ियों की शक्ति का दोहन करने के लिए 21वीं सदी का इंजन प्रदान कर सकती है। एक जीवंत भारतीय लोकतंत्र में, भारतीय मतदाताओं का एक सार्वजनिक नीति-संचालित डिजिटल सशक्तिकरण उपभोक्ताओं के हित में और बड़े सार्वजनिक हित में जिम्मेदार डिजिटल आचरण सुनिश्चित करने में मदद कर सकता है।

डॉ: सत्यवान 'सौरभ'
कवि,स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार, आकाशवाणी एवं टीवी पेनालिस्ट,
333, परी वाटिका, कौशल्या भवन, बड़वा (सिवानी) भिवानी, हरियाणा

नेशनल हाईवे पर अवैध कट खोलने वालों पर होगा सख्त एक्शन करवाई जाएगी एफआईआर : उपायुक्त अनीश यादव

सड़क हादसों में कमी लाने के लिए जिला उपायुक्त ने एनएचएआई, आईआरएडी और रोड सेफ्टी के अधिकारियों के साथ बनाई रणनीति

ओवर स्पीड गाड़ी चलाने वालों के काटे जाएंगे चालान

गजब हरियाणा न्यूज/नरेन्द्र धूमसी

करनाल, करनाल के जिला उपायुक्त अनीश यादव ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नेशनल हाईवे पर जो भी अवैध कट को खोले उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। ऐसा करने वालों पर एफआईआर भी दर्ज करवाई जाए। उन्होंने कहा कि सड़क हादसों में कमी लाना उनकी प्राथमिकता है। इसके लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। जिला उपायुक्त वीरवार को सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के संबंध में एक बैठक में बोल रहे थे।

बैठक के दौरान इंटिग्रेटिड रोड एक्सिडेंट डाटा की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इसमें शहर के 10 स्थानों को चिन्हित किया गया जहां 2022 में सबसे ज्यादा सड़क हादसे हुए हैं। इन जगहों पर भविष्य में हादसों में कमी लाई जा सके, इसको लेकर मंथन किया गया। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इन जगहों पर जल्द से जल्द क्या समाधान किए जा सकते हैं, उसकी विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। इसके साथ-साथ हाईवे पर लोगों द्वारा खोले गए अवैध कट को बंद किया जाए। इसके लिए पुलिस की मदद की आवश्यकता है तो तत्काल पुलिस सहायता ली जाए।

ओवर स्पीड के काटे जाएंगे चालान

इंटिग्रेटिड रोड़ एक्सिडेंट डाटा की रिपोर्ट में यह सामने आया कि कुछ जगहों पर ओवर स्पीड़ की वजह से हादसे हो रहे हैं। ऐसे में जिला उपायुक्त ने निर्देश दिए हैं कि ओवर स्पीड़ के चालान काटे जाए। जिन जगहों पर कैमरे लगाए गए हैं, वहां कैमरों को एक्टिवेट किया जाए और उनकी मदद से चालान किए जाए। उन्होंने कहा कि जिस सड़क पर स्पीड़ ब्रेकर की आवश्यकता है, वहां पर स्पीड़ ब्रेकर बनाए जाए। उपायुक्त अनीश यादव ने कहा कि सड़क पर सुरक्षित चलने के लिए हमें यातायात के नियमों का पालन करना चाहिए। इससे स्वयं की सुरक्षा के साथ-साथ दूसरों की भी सुरक्षा होती है।

बैठक के दौरान एसडीएम करनाल अनुभव मेहता, एसडीएम घरौंडा अदिति, आईआरएडी से प्रोजेक्ट मैनेजर स्वाति, एनएचएआई से भानू प्रताप व अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

बार एसोसिएशन में डा. जसविंद्र खैहरा का किया स्वागत

वकीलों की मांगों को उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला से करवाएंगें पूरा : डा. खैहरा

गजब हरियाणा न्यूज

पिहोवा, शुगरकेन कंट्रोल बोर्ड के सदस्य व जननायक जनता पार्टी के युवा जिलाध्यक्ष डा. जसविंद्र खैहरा ने कहा है कि पिहोवा बार एसोसिएशन की मांगों को लेकर वे जल्द ही उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला से मुलाकात करेंगें और सभी मांगों को पूरा करवाने का काम करेंगें। वे बार एसोसिएशन पिहोवा में आयोजित कार्यक्रम मे बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। इस अवसर पर बार एसोसिएशन के प्रधान अशोक भारद्वाज, उपप्रधान विकास संधोला, सचिव राजपाल सिंह गिल, सयुंक्त सचिव रमन सैनी, कैशियर मनिंदर काजल, एडवोकेट एसडी मुरार, जेएस उदारसी, डीपी दस्तूर सङ्क्षहत अन्य वकीलों ने एसोसिएशन तरफ से पुष्पगुच्छ के साथ जसविंद्र खैहरा का जोरदार स्वागत किया गया।

डा. जसविंद्र खैहरा ने कहा कि वकीलों का समाज में अहम दायित्व है। पिहोवा के वकील अपने क्षेत्र में लोगों को न्याय दिलाने का काम करते हैं। समाज में वकीलों के योगदान को कभी भुलाया नही जा सकता। इस मौके पर बार एसोसिएशन द्वारा कुछ मांगों को भी डा. खैहरा के सामने रखा। इस पर डा. जसविंद्र खैहरा ने कहा कि वकीलों के सामने किसी भी परेशानी को आड़े नही आने दिया जाएगा। वे स्वयं वकीलों की मांगों को लेकर उपमुख्यमँत्री दुष्यंत चौटाला के पास जाएंगें और वकीलों की अधूरी रही मांगों को पूरा करवाने का काम करवाया जाएगा। उन्होने कहा कि उपमुख्यमँत्री दुष्यंत चौटाला के पास वे क्षेत्र की जिस भी समस्या को लेकर जाते हैं, क्षेत्र के लोगों की सभी समस्याओं को दूर करने का काम किया जा रहा है। इस क्षेत्र में आए दिन कोई न कोई बड़ा कार्य उपमुख्यमंत्री द्वारा किए जा रहे हैं। इसी प्रकार वकीलों की मांगों को भी जल्द पूरा करवाने का प्रयास किया जाएगा ताकि वकीलों को किसी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े।

पुलिस अधीक्षक का जनता दरबार लगातार जारी शिकायतों का किया जा रहा है निपटारा

गजब हरियाणा न्यूज/ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, पुलिस अधीक्षक कुरुक्षेत्र सुरेंद्र सिंह भोरिया का जनता दरबार लगाकर शिकायते सुनने का सिलसिला लगातार जारी है। पुलिस अधीक्षक ने वीरवार को अपने कार्यालय में जनता दरबार लगाकर सुनी आमजन की शिकायतें। पुलिस अधीक्षक ने शिकायत कर्ताओ को उनकी शिकायत का जल्द निवारण करने का आश्वासन दिया। शिकायतों को सम्बन्धित डीएसपी/थाना प्रभारी को भेजकर जल्द कारवाई करने के आदेश दिये गये।

जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर ने सभी जिलों के अधिकारियों को दो घंटे जनता दरबार लगाने के आदेश दिये थे। पुलिस अधीक्षक कुरुक्षेत्र द्वारा हर रोज अपने कार्यालय मे आमजन की शिकायतें सुनी जाती हैं। वीरवार को भी पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह भोरिया ने अपने कार्यालय में जनता दरबार लगाया। जनता दरबार में पुलिस अधीक्षक ने आमजन की शिकायतें सुनी तथा शिकायतों को संबन्धित डीएसपी/थाना प्रभारी को भेजकर तुरंत कारवाई करने के निर्देश दिये। एसपी ने आमजन से अपील करते हुये कहा कि यदि आपके कस्बा/गांव/वार्ड में कोई नशे से जुडे कारोबार में शामिल है तो उसकी जानकारी पुलिस प्रशासन को दे। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम गुप्त रखा जायेगा तथा उसे उचित ईनाम भी दिया जायेगा।

जानकारी देते हुए शिकायत शाखा प्रभारी उप निरीक्षक प्रवीन कौर ने बताया कि वीरवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में कुल 11 शिकायतें आई। इन शिकायतों में ज्यादातर शिकायतें जमीन से सम्बंधित धोखा-धडी व पारिवारिक झगडे शामिल रहे। पुलिस अधीक्षक के सम्मुख आई सभी शिकायतों को पुलिस अधीक्षक ने सम्बंधित डीएसपी तथा थाना प्रभारी को भेजकर तुरंत कारवाई करने के निर्देश दिए।

बैसाखी का त्यौहार समृद्धि व खुशहाली का प्रतीक : बीएल बत्रा

गजब हरियाणा न्यूज

रतिया, भारती निकेतन वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रतिया के प्रांगण में बैसाखी का त्यौहार बड़ी धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का आरंभ सिख मर्यादा के अनुसार अरदास से शुरू किया गया।

विद्यालय के प्रबंधक बीएल बत्रा जी ने बच्चों को बताया कि बैसाखी का त्यौहार समृद्धि व खुशहाली का प्रतीक है वैशाखी के त्यौहार पर फसल पक कर तैयार हो जाती है किसान के चेहरे पर रौनक आ जाती है।

विद्यालय के प्रधानाचार्य सुनील कुमार जी ने बच्चों को बैसाखी के इतिहास से अवगत कराते हुए बताया कि 13 अप्रैल 1919 को बैसाखी वाले दिन श्री गुरु गोविंद सिंह जी ने आनंदपुर साहिब में खालसा पंथ की स्थापना की थी। विद्यालय के बच्चों द्वारा बैसाखी के त्यौहार पर गिद्दा भंगड़ा नाटक आदि के माध्यम से वैशाखी के त्यौहार कि महत्ता को प्रस्तुत किया गया। कलात्मक

रूचियों में अव्वल रहे बच्चों को ईनाम बांटे गए। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित था।

'गजब हरियाणा' में विवाहिक विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए सम्पर्क करें : 91382-03233

विज्ञापन, लेख व समाचार देने के लिए सम्पर्क करें : 91382-03233
gajabharyananews@gmail.com

डॉ रणजीत फुलिया द्वारा तैयार किया गया अंग्रेजी की व्याकरण के सही उच्चारण

पार्ट –1

शिक्षकों से अनुरोध :
कृपया छात्रों को ऐसे अभ्यास करवाकर उन्हें संप्रेषण कला में निपुण बनने में सहयोग करें !

A Test for Nitika,Anjali:- Good Evening! My name is Anjali and I am a student of fifth class. Today, we have with us a young scholar named Nitika. She is a student of ninth class. I will ask her some questions on General Knowledge. Nitika, are you ready?
Nitika:- Yes, I am ready.
Anjali:- Fine Nitika, here is the first question for you:--
Question 1. In which class do you study?
Answer: I study in ninth class.
Question 2. Do you study in a Government School or in a private school?
Answer : I study in a private school.
Question 3. How many planets are there in our Solar System?
Answer : There are eight planets in our Solar System.
Question 4. What is the name of our planet?
Answer: The name of our planet is Earth.
Question 5. Who is the Governor of Haryana?
Answer: Shri Bandaru Dattatreya is the Governor of Haryana.
Question 6. Who is the Chief Minister of Odisha?
Answer: Shri Navin Patnaik is the Chief Minister of Odisha.
Question 7. Who is the Vice President of India ?
Answer: Shri Jagdeep Dhankhar is the Vice President of India ?
Question 8. Who is the President of India ?
Answer: Smt Draupadi Murmu is the President of India.
Question 9. How many Union Territories are there in India?
Answer: There are eight Union Territories in India?
Question 10. What was the old name of Myanmar?
Answer: The old name of Myanmar was Burma.
Question 11. What is the Capital of Maldives (माल दीव्स)?
Answer: Male (माले) is the Capital of Maldives.
Question 12. Who was the first lady President of India ?
Answer: Mrs Pratibha Patil was the first lady President of India.
Question 13. What problems our country is facing?
Question 14. What do you want to become ?
Question 15. Who is your guide and motivator?

5 गेंद, 5छ्क्के, रिंकू ने अपने 'दोस्त' की उड़ाई धज्जियां, दोनों में है क्कनेक्शन

जब पोछा करने की नौकरी छोड़ थाम लिया था बैट...

5 छक्के लगाने वाले रिंकू सिंह के संघर्ष की कहानी

आईपीएल 2023 में शनिवार को गुजरात टाइटन्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच एक शानदार मैच देखने को मिला। इस मैच में केकेआर ने जीटी को 3 विकेट से हरा दिया। वैसे तो इस मैच में कई खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन केकेआर के रिंकू सिंह इस मैच में हीरो बनकर उभरे। उन्होंने मैच की आखिरी 5 गेंदों पर 5 छक्के लगाकर केकेआर को शानदार जीत दिलाई।

केकेआर को जीत के लिए आखिरी ओवर में 29 रन चाहिए थे। गेंद यश दयाल के हाथ में थी और क्रीज पर थे उमेश यादव। उमेश ने पहली गेंद पर सिंगल लिया उसके बाद से रिंकू सिंह को स्ट्राइक मिली। जिसके बाद से रिंकू ने गुजरात को चैन की सांस नहीं लेने दी। रिंकू सिंह ने यश दयाल की अंतिम पांच गेंद पर 5 छक्के जड़े और केकेआर की झोली में इस सीजन की दूसरी जीत डाल दी। ये तो रही कल के मैच में रिंकू की कहानी। अब आइए जानते हैं रिंकू के असल जीवन का संघर्ष।

अलीगढ़ के रहने वाले हैं रिंकू

केकेआर ने रिंकू सिंह को 2018 में 80 लाख में खरीदा था। रिंकू सिंह अलीगढ़ के रहने वाले हैं। रिंकू काफी गरीब परिवार से आते हैं। उनके पिता एक गैस सिलेंडर वेंडर थे। रिंकू के चार बड़े भाई हैं। जिनमें एक भाई ऑटो चलाता था तो दूसरे भी मेहनत मजदूरी करके अपना गुजारा करते थे। रिंकू सिंह के मन में जब क्रिकेटर बनने का ख्याल आया तो पिता ने परिवार की हालत का हवाला देते हुए उन्हें खूब खरी खोटी सुनाई।

क्रिकेट खेलने के लिए मारते थे पिता

रिंकू सिंह के लिए आईपीएल तक का सफर आसान नहीं था। उनके पिता सिलेंडर डिलीवरी करते थे और भाई ऑटो रिक्शा चलता था। उनके 5 भाई-बहन हैं। रिंकू पढ़ाई में भी अच्छे नहीं थे और एक बार बताया था कि वे 9वीं में फेल भी हो चुके थे। रिंकू के अनुसार पिता क्रिकेट खेलने के लिए मारते भी थे, लेकिन जब उन्होंने बाइक जीती तो पिता ने मारना बंद कर दिया। उसी बाइक से उनके पिता सिलेंडर डिलीवरी के लिए जाने लगे।

पोछा लगाने का काम दिया गया था

ऐसे ही किसी दिन काम की तलाश में रिंकू सिंह को काम मिला। उन्होंने बताया है, मुझे पोछा लगाने की जॉब मिली। एक कोचिंग सेंटर में मुझे पोछा लगाना था। उन्होंने कहा था कि सुबह-सुबह आकर काम कर जाया करो। नौकरी भाई ने ही दिलाई थी, लेकिन मैं नहीं कर पाया। मैं घर लौटा तो अपनी मां से बोला कि मैं वहां दोबारा नहीं जाऊंगा। जैसा कि हम आपको पहले ही बता चुके हैं कि रिंकू सिंह के पिता घर-घर गैस पहुंचाने का काम किया करते थे तो उनका पूर परिवार सिलेंडर बांटने वाली एजेंसी से सटे दो कमरों वाले मकान में रहता था।

और फिर भाग्य आजमाते हुए रिंकू आईपीएल तक पहुंचे। जहां वो आईपीएल 2018 से ही केकेआर के साथ हैं। टीम हर बार उन्हें रीटेन कर रही है। लेकिन उनके आंकड़े बहुत अच्छे नहीं थे। लेकिन फिर आईपीएल 2022 में उन्होंने दिखाया कि वह बेहतरीन फिनिशर बन सकते हैं। और अब आईपीएल 2023 में गुजरात के खिलाफ उनकी बैटिंग तो सभी ने देखी ही। उन्होंने सिर्फ 21 गेंदों पर 48 रन मार केकेआर को जीत दिलाई।

सतगुरु की चरण-शरण से आम आदमी भी स्वामी बन जाता है : महामंडलेश्वर

जिसने परमात्मा को खुद देखा हो, जाना-पहचाना हो, वही हमे प्रत्यक्ष मे दर्शन दीदार करवा सकता है : स्वामी ज्ञाननाथ

गजब हरियाणा न्यूज/राहुल

कानपुर । निराकारी जागृति मिशन शाखा जिला वैशाली हाजीपुर गदाई सराए इजरा (बिहार) के तत्वावधान मे प्रमुख महात्मा बालेश्वर सिंह, नंदकिशोर, ज्ञान ज्योति मिलन और ललिता की देख-रेख मे विशाल रुहानी संत सम्मेलन और अटूट भंडारे का आयोजन किया गया। इस शुभ अवसर पर नारायणगढ (अंबाला) हरियाणा से यू.पी, बिहार और नेपाल मे धर्म संस्कृति के प्रचार प्रसार और आत्मिक जागृति जन कल्याण यात्रा पर आए परमपूजनीय श्री.श्री.1008 महामंडलेश्वर सतगुरु शहंशाह स्वामी ज्ञान नाथ जी महाराज, गद्दीनशीन चेयरमैन, निराकारी जागृति मिशन एंव राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संत सुरक्षा मिशन भारत का प्रमुख महात्मा बालेश्वर और अन्य संत-महापुरुषों ने वैशाली हाजीपुर बिहार आगमन पर माल्यार्पण करके और जो बोले तिस बलिहार धन निराकार के जयघोष से भव्य स्वागत किया।

महात्मा बालेश्वर ने संत सम्मेलन मे शरीक हुए श्रद्धालुओ को संबोधित करते हुए कहा कि समय के ब्रह्मज्ञानी सतगुरु की चरण-शरण मे रहकर उनके आदेश-उपदेश की मन वचन और कर्म से पालना करके एक आम आदमी भी महान व्यक्तित्व का स्वामी बन जाता है उसके जीवन का अंदर और बाहर से रुपांतरण हो जाता है। महामण्डलेश्वर एडवोकेट स्वामी ज्ञान नाथ जी महाराज ने दूर-दराज से आए श्रद्धालुओ को संबोधित करते हुए रुहानी प्रवचनो मे फरमाया कि अध्यात्मिक जीवन और भक्ति मार्ग मे सफलता प्राप्त करने के लिए तीन महत्वपूर्ण सिद्धांतों को बखूबी आत्मसात करने की खास जरुरत है। पहला सतगुरु समय का हाकिम और आत्मवेता हो दूसरा उसके अंदर शब्द प्रकट हो और वह सुरत-शब्द का भेदी हो तीसरा वह जीते जी इस ओत-प्रोत जय श्री प्रियतम निर्गुण निराकार एंव सर्वाधार परमात्मा के साथ अभेद हो गया हो। हमारा सतगुरु ऐसा ब्रह्मज्ञानी होना चाहिए जिसने परमात्मा को देखा हो, अंगसंग होने का अनुभव किया हो, जिसको परम तत्व की पहचान हो। क्योंकि जिसने परमात्मा को खुद देखा हो, जाना-पहचाना हो वही हमे प्रत्यक्ष मे दर्शन दीदार करवा सकता है।

ब्रह्मज्ञान के इशारे से पलभर मे खुली आंखो से दर्शन करवा सकता है और जीते अनुभव करवा सकता है। इसलिए ब्रह्मवेता सतगुरु की दया-मेहर से ज्ञान की आंख को खोलो ताकि खुदा का जलवा दिख सके। स्वामी जी ने कहा कि अगर ज्ञान और विवेक की दृष्टि से देखा जाए तो मानवता से श्रेष्ठ कोई धर्म नही है। आज के भौतिकवाद, पदार्थवाद, स्वार्थवाद बनावट, सजावट और दिखावट के चलते दौर मे मानवता और धर्म तो सपना बन कर लुप्त होता जा रहा है। आज का मानव ऐसी असमंजस के कगार पर खड़ा है कि क्या करूं और क्या ना करूं। परमश्रद्धेय संत शिरोमणि सतगुरु रविदास जी महाराज ने धर्म की तरफ इशारा करते हुए समुची मानवता के संदेश और उपदेश देते हुए कहा कि रविदास सच मत छोडिए जब तक घट मे प्राण दूसरा कोई धर्म नही जग मे सच समान।

अर्थात सच को जानना, समझना और सच को जीवन मे धारण करना ही वास्तविक धर्म है। सच तो सिर्फ और सिर्फ निर्गुण निराकार एंव सर्वाधार परम तत्व है। अब सवाल उठता है कि मनुष्य द्वारा बनाए गए धर्म जहां पर अलग अलग मान्यताएं, प्रतीक-चिन्ह, अलग अलग पूजा पद्धतियां, भिन्न-भिन्न तौर-तरीकों को मानने और अपनाने से, मनुष्य द्वारा बनाए गए काल्पनिक भगवान की पूजा और ध्यान करने से क्या भगवत प्राप्ति का सपना साकार होगा। जबाब सीधा है कि नही वास्तव मे तो क्या सपने मे भी नही हो सकता। आजकल समझने वाले कम और समझाने वाले ज़्यादा हो गए है। जैसा हमारे तत्वदर्शी संतो ने कहा आज का मानव उससे बिल्कुल उल्टा चल रहा है और यही कारण है यश-मान, कीर्ति, प्रतिष्ठा, वैभवों के वशीभूत होता जा रहा है। संतों की वाणी को गाकर, तरह-तरह की तर्जो मे बजाकर भोले-भाले लोगों को सुनाकर उनका मेहनत करके कमाया हुआ पैसा बटोरकर अपना और अपने घर परिवार का भरण-पोषण किया ऐशो आराम का जीवन जिया। हालांकि यह सोलह आने सच है इधर-उधर से ली गई जानकारियां ज्यादा देर तक काम नही आती।

परिवार वाद, भाई-भतीजावाद का चारो तरफ खूब बोलबाला है। मनुष्य द्वारा बनाए गए बनावटी भगवान और मोक्ष-मुक्ति का लालच तथा अन्य प्रलोभन देकर लोगों से बटोरे हुए धन से ऐशोआराम और वैभवों भरा जीवन जीआ और जब अंतिम समय आया तो सारी संपत्ति, आश्रम और गुरुगद्दी का उत्तराधिकारी अपने बेटे-बेटी, घरवाली, भाई-भतीजे को बनाकर संसार से अलविदा हो गया। जीवनभर लोगों को उपदेश देते रहे मोहमाया को छोड़ो परंतु आप अंतिम समय तक खुद मोहमाया की दलदल मे फंसे रहे। क्या यही संत मत और गुरमत है? क्या यही मोक्ष मुक्ति का मार्ग है? क्या। यही ब्रह्मज्ञान और भारत की संस्कृति है? क्या अपने परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों को छोड़कर लाखों की संगत मे कोई एक भी अनुयाई गुरुगद्दी और उपदेश देने के काबिल नही है। ऐसे परिवारवादी, भौतिकवादी, मोहमाया मे लम्पट लोगों को दूर से बाय-बाय कर देना चाहिए और समय के हाकिम आत्मवेता सतगुरु की मन, वचन और कर्म से समर्पित और शरणागत भाव से आदेश-उपदेश की बखूबी पालना करते हुए सुरत-शब्द का अभ्यास करते हुए मनुष्य जीवन को सार्थक सिद्ध करना होगा और तभी परम आनंद तथा मोक्ष मुक्ति का सपना साकार होगा। साधना अराधना करते हुए स्वयं मे ऐसा एहसास करो और नित्यप्रति यही अरदास करो कि हे सतगुरुदेव मै जो भी हूं और जो नहीं हं, जैसा भी हूं, जो भी लौकिक और आलौकिक नियामते मुझे मिली हैं यह सब आपकी बदौलत नसीब हुई हैं। आपके बिना मेरा कोई अस्तित्व नही है। हे सतगुरुदेव मैं जैसा चाहता हूं वैसा नही बल्कि जैसा आप चाहते हो और जो मेरे लिए उचित है वह मुझे दे और जो उचित नही है वह ना दे। सम्मेलन मे विशेष रूप से बिंदेशवर,छोटेलाल, गंगनदेव, महात्मा ललिता, उर्मिला, मिलन देवी, दीपिका, आदि उपस्थित रहे और समागम के उपरांत अटूट भंडारे का आयोजन भी किया गया।

अमृतवाणी

संत शिरोमणि गुरु रविदास जिओ की

माधउ सतिसंगति सरनि तुम्हारी ।।
हम अवगुण तुम उपकारी ।।(रहाऊ) ।।

जय गुरुदेव जी

व्याख्या=श्री गुरू रविदास महाराज जी पवित्र अमृतवाणी में फरमान करते हुए कहते हैं कि हे प्रभु जी ! आप की शरण ही सतिसगंत है । यह सांसारिक जीव अवगुणों से भरे हुए हैं पर आप परोपकारी हो और जीवों पर दया कर उनके अवगुण बख्शने वाले हो ।
धन गुरुदेव जी

ऐसे थे बाबा साहब

एक सच्चे राष्ट्रप्रेम, मानवतावादी व विराट व्यक्तित्व के प्रति आदर व सम्मान के बधाई संदेश देश विदेश से आ रहे थे।

जयंती समारोह की आखिरी सभा परेल, मुंबई के कामगार मैदान में हुई। अध्यक्षता महान समाज सुधारक एम. बी. दोंदे ने की। विशाल जनसमुदाय को बाबासाहेब ने बहुत ही विनम्रता से अनुरोध किया कि अब उनका जन्मदिन मनाना बंद किया जाए। क्योंकि जो समाज किसी मनुष्य को परमात्मा बनाकर जय घोष करता है, वह समाज पतन के मार्ग पर चलने लग जाता है। कोई भी व्यक्ति किसी काल्पनिक शक्ति से नहीं बल्कि अपने अच्छे बुरे प्रयासों व कर्मों से ही आगे बढ़ता है या गिरता है। यदि कोई व्यक्ति योग्य हो तो उसके प्रति आदर सम्मान प्रकट करने में कोई हर्ज नहीं है, लेकिन उसकी विचारधारा को जाने और माने बिना, उसे आचरण में उतारने की बजाय उसको परमात्मा बनाकर पूजना विनाश का मार्ग है. इसमें नेता के साथ उनके अनुयायियों का भी पतन होता है। इसलिए मेरा आप सभी से विनम्र अनुरोध है कि मेरा जन्मदिन मनाने की परम्परा बंद कर दी जाएं।

ऐसे थे हमारे मुक्तिदाता..व्यक्तिपूजा के विरोधी, सच्चे राष्ट्र प्रेमी व मानवता के मसीहा बोधिसत्व बाबासाहेब।

भवतु सब्बं मंगलं..सबका मंगल हो..सभी प्राणी सुखी हो

मेरा जन्मदिन मनाना बंद किया जाए। क्योंकि जब समाज किसी मनुष्य को आचरण में उतारने की बजाय परमात्मा बनाकर जयघोष करता है तो समझो वह समाज के पतन की शुरुआत है।

14 अप्रैल 1942... सदियों से शोषित वंचित समाज के मुक्तिदाता का वह पचासवां जन्मदिन था। पिछले कई साल से वंचित समाज बाबासाहेब की जयंती धूमधाम से मनाता आ रहा था। 50वां जन्मदिन भी देशभर में उल्लास व उमंग से मनाया जा रहा था।

बाबासाहेब द्वारा अछूतों व देश की खुशहाली के लिए किए गए कार्यों का उनके अनुयायियों के साथ विरोधी भी गुणगान कर रहे थे। उनकी विलक्षण प्रतिभा, नेतृत्व क्षमता व राष्ट्रप्रेम के गुण गानों से अखबार भर गए थे। डॉ अंबेडकर जैसे गौरव पर महाराष्ट्र के सभी समुदायों द्वारा गर्व किया जा रहा था।

जगह जगह संस्थाओं द्वारा गोष्ठियां, सभाएं, जुलूस, जनसेवा व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे थे। देश विदेश के बुद्धिजीवी वर्ग, राजनेताओं व सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बाबासाहेब की योग्यता व महान योगदान का महिमामंडन किया।

मानवता के मसीहा के पचासवें जन्मदिन का जश्न 12 अप्रैल को मुंबई से शुरू हुआ और पूरे देश में नौ दिन तक मनाया गया।

आलेख: डॉ. एम.एल.परिहार, जयपुर,

कबूतर का घोंसला

एक बार गौतम बुद्ध शाम के समय कुटिया के बाहर शिष्यों के साथ बेठे थे। तभी वहां एक कबूतर का जोड़ा उड़ता हुआ आ गया। उन्हें देख कर महात्मा बुद्ध को एक कहानी याद आई और उन्होंने शिष्यों को कहानी सुनना शुरू किया।

एक पेड़ पर एक कबूतर और कबूतरी रहते थे। कुछ समय बाद कबूतरी ने उसी पेड़ की टहनी पर तीन अंडे दिए। एक दिन कबूतर और कबूतरी दोपहर के समय खाना ढूंढते हुए कुछ दूर निकल गये। तभी कहीं से एक लोमड़ी आ गयी। वह भी भोजन की तलाश में पेड़ पर चढ़ी। जहां उसे कबूतर के अंडे मिल गये और वो अंडों को खा गयी।

जब कबूतर का जोड़ा वापस आया तो अंडे न पा कर बहुत परेशान हो गया। दोनों को बहुत बुरा लग रहा था। उनका मन टूट सा गया। तभी कबूतर ने निश्चय किया कि अब वह घोंसला बनाएंगा। ताकि फिर कभी उसके अंडे कोई न खा जाए।

कबूतर ने अपने निर्णय अनुसार तिनके इकट्ठे कर के घोंसला बनाना शुरू किया। पर उसे एहसास हुआ कि उसे तो घोंसला बनाना आता ही नहीं है। तब उसने मदद के लिए जंगल के दूसरे पक्षियों को बुलाया।

सभी पक्षी उसकी मदद के लिए आ गये आर उन्होंने कबूतर के लिए घोंसला बनाना शुरू किया। पक्षियों ने अभी कबूतर को सिखाना शुरू ही किया था कि कबूतर ने बोला कि अब वो घोंसला बना लेगा। उसने सब सीख लिया है।

सभी पक्षी यह सुन कर वापस चले गए। अब कबूतर ने घोंसला बनाना शुरू किया। उसने एक तिनका इधर रखा एक तिनका उधर। उसे समझ आया कि वह अभी भी कुछ नही सीखा है। उसने फिर से पक्षियों को बुलाया। पक्षियों ने आ कर फिर घोंसला बनाना शुरू किया। अभी आधा घोंसला बना ही था कि कबूतर जोर से चिल्लाया, तुम सब छोड़ दो अब मैं समझ गया हूं यह कैसे बनेगा।

इस बार पक्षियों को बहुत गुस्सा आया। सारे पक्षी तिनके वहीं छोड़ कर चले गये। कबूतर ने फिर कोशिश की पर उस से घोंसला नहीं बना।

कबूतर ने तीसरी बार पक्षियों को बुलाया, लेकिन इस बार एक भी पक्षी मदद के लिए नहीं आया और आज तक कबूतर को घोंसला बनाना नहीं आया।

कहानी से सीख:

गौतम बुद्ध जी की इस कहानी ने बताया कि हमें जो काम नहीं आता हो, उसे किसी की मदद से पूरी तरह सीख लेना चाहिए। जो काम नहीं आता हो उसे जबरदस्ती करने का दिखावा नहीं करना चाहिए, क्योंकि मदद करने वाला व्यक्ति एक या दो बार तो आपकी मदद करेगा, लेकिन हर बार नहीं। इसलिए, किसी की मदद का सम्मान करते हुए वह काम पूरी निष्ठा के साथ सीखना चाहिए।

क्योंकि बाबासाहेब के पास इतने पैसे नहीं थे

ज्ञान व प्रतिभा के धनी, बौद्धिक रूप से अमीर बाबासाहेब जीवन भर आर्थिक मुश्किलों से जूझते रहे। लेकिन उस स्वाभिमानी महामानव ने कभी एहसास नहीं होने दिया।

वे बहुत कम उम्र से ही आर्थिक, सामाजिक व धार्मिक विषयों पर इंग्लिश में एक के बाद एक बेहतरीन किताबें लिखते जा रहे थे और देश विदेश के पब्लिशर भी उन्हें छाप देते थे।

मुंबई की ठाकर एंड कंपनी पब्लिशर ने उनकी कुछ किताबों को प्रकाशित किया था। जब बाबासाहेब कार से उनकी शॉप पर जाते थे और जो रॉयल्टी मिलती थी उससे कई गुना ज्यादा की किताबें खरीद लेते थे, तीन जने उठाकर उन किताबों को कार में रखते थे।

उन दिनों देश के कुछ ही शहरों के गिने चुने प्रकाशक ऐसी किताबें छापते थे इसलिए हर किताब को छपवाना बहुत मुश्किल था। और किताब छपना बहुत बड़ी बात होती थी। Annihilation of caste (जात पात का विनाश) यह किताब तो उन्हें इतनी जरूरी लगी कि इधर उधर से रुपयों की व्यवस्था कर खुद ने ही छपवाया, हाथों हाथ बिकी। फिर इंग्लिश के पब्लिशर ने छापा तो कुछ ही दिनों में बड़ी संख्या में बिक्री हुई।

बाबासाहेब ने 1951 से बौद्ध ग्रंथों के विशाल भंडार को पढ़कर पांच साल की अथक मेहनत के बाद सार के रूप म 'बुद्ध और उनका धम्म 'जैसी महान कृति की रचना की। लेकिन कोई पब्लिशर छापने को तैयार नहीं हुआ। डॉ अंबेडकर नेहरू मंत्रिमंडल में मंत्री रह चुके थे इसलिए उन्होंने नेहरूजी से आर्थिक मदद करवाने के लिए आग्रह किया ताकि यह ग्रंथ उनके जीते जी छपकर समाज के बीच आ जाए लेकिन कहीं से कोई मदद नहीं मिली।

उनका सपना था कि यह ग्रंथ भारत के घर घर में पहुंचे और करुणा के सागर बुद्ध के मार्ग पर चलें, फिर से बुद्ध की वाणी गुंजायमान हो लेकिन उनका सपना पूरा नहीं हो सका और आखिर यह ग्रंथ उनके परिनिर्वाण के बाद ही पीपुल्स एजुकेशन सोसाइटी द्वारा पब्लिश हो पाया। उनकी कई किताबें बाद में छपी।

कहने का अर्थ यह है कि उस समय कई विद्वानों की महत्वपूर्ण किताबें धन की कमी व प्रकाशकों की मनाही के कारण समाज में नहीं आ पाती थी और समाज उन महान मानवतावादी विचारों से वंचित रह जाता था। लेकिन आज देश में दलित समाज में कई प्रकाशक समाज, संस्कृति, बुद्ध, धम्म व महापुरुषों आदि पर समाज को दिशा देने वाली किताबें निरंतर प्रकाशित कर उचित मूल्य पर उपलब्ध करा रहे हैं। किताबें विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम है। इसलिए दलित वंचित समाज व संस्थाओं को चाहिए कि वे भव्य आयोजनों व बाबासाहेब की महंगी मूर्तियों पर अंधाधुंध धन खर्च करने की बजाय उनके साहित्य को प्रकाशित करें या जो प्रकाशित कर रहे हैं उनको समाज में तेजी से फैलाएं।

यह कहना सिर्फ बहानेबाजी है कि 'लोग पढ़ते नहीं है'। हालात उल्टे है, देश में इस समय बुद्ध, कबीर, रैदास, फुले, बाबासाहेब जैसे महापुरुषों को बहुत पढ़ा जा रहा हैं। दूसरों की आलोचना किए बिना शांति से इनकी विचारधारा के प्रचार का बहुत अनुकूल समय है। उपजाऊ खेत खाली हैं सिर्फ बीज बोना है। इसलिए व्यक्ति, परिवार व संस्थाएं बड़ी मात्रा में ऐसा साहित्य प्रकाशित कर दान भेंट करें और बहुजन समाज की सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, धाम्मिक जागृति व खुशहाली द्वारा बाबासाहेब के कारवां को आगे बढ़ाएं।

भवतु सब्बं मंगलं....सबका मंगल हो..सभी प्राणी सुखी हो

आलेख: डॉ. एम एल परिहार, जयपुर।

मैं क्या नहीं हूँ 'ध्यान'

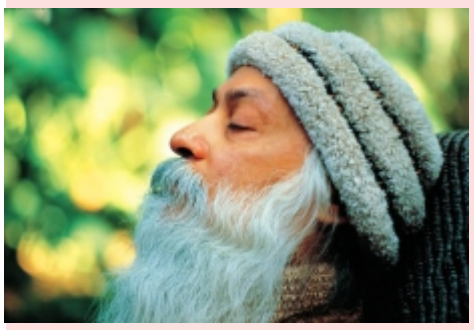

किसी शांत और व्यवधान रहित जगह पर सहज आसन में आँख बंद करके बैठें। कुछ गहरी, लंबी साँसें लें, इससे आपका मन शांत और स्थिर होगा। अब अपने अंदर झाँककर स्वयं की पूछताछ करना शुरू करें। सीधे 'मैं कौन हूँ?' प्रश्न से पूछताछ करने पर हो सकता है, आपको एकदम जवाब न मिले अत: सरलता के लिए, पहले बार - बार यह पूछें कि 'मैं क्या नहीं हूँ?'

उदाहरण के लिए आप साइकिल किसे कहते हैं? साइकिल यानी क्या? क्या पहिया साइकिल है? नहीं, हैंडल साइकिल हो सकता है? नहीं। पैंडल साइकिल है ? नहीं। बैठने की सीट भी साइकिल नहीं तो फिर साइकिल कौन? साइकिल एक सुविधा के लिए दिया हुआ शब्द है। जीवन मृत्यु

उसी तरह 'मैं' (आपका नाम) भी एक सुविधा के लिए दिया हुआ विचार है। आपको इसी 'मैं' की पूछताछ करनी है। पहले स्वयं से यह पूछें कि 'मैं क्या नहीं हूँ ?' जैसे, मैं यह शरीर नहीं हूँ क्योंकि जब मैं यह कहता हूँ कि यह मेरा शरीर है तो वह मेरा है, 'मैं' नहीं । मेरा स्कूटर मैं नहीं हूँ, कारण मैं स्कूटर चलाता हूँ।

मेरा घर 'मैं' तो नहीं हो सकता क्योंकि 'मेरे घर आओ', ऐसा मैं कहता हूँ, 'मुझमें आओ', यह मैं नहीं कहता। इस शरीर की पंच इंद्रियाँ - नाक, कान, आँख, जुबान, त्वचा 'मैं' नहीं, मैं इंद्रियों का इस्तेमाल करता हूँ। मैं इंद्रियों के संबंध में आनेवाली चीजें नहीं हूँ, जैसे रंग, रूप, आवाज, सुगंध, स्वाद, स्पर्श । मैं साँस भी नहीं, जिसकी वजह से यह शरीर चल रहा है।

मैं मन भी नहीं, जो सोचता है कि 'मुझे क्या होना चाहिए। मैं बुद्धि भी नहीं, जो गहरी नींद में शरीर सहित गायब है।

अगर ये सब मैं नहीं तो बाकी बचा ही क्या जो मैं हो सकता हूँ? अब जो बाकी बचा है, वही आप हैं। इस शरीर, मन, बुद्धि के मालिक, विचार को देखनेवाले साक्षी। आप लेबल से परे हैं क्योंकि अगर आप शरीर नहीं रहे तो आप इंजीनियर, डॉक्टर, नेता, विद्यार्थी भी कहाँ रहे? अगर आप शरीर नहीं तो आप कहाँ रहे भाई-बहन माँ- बाप, दोस्त, पति-पत्नी, शिष्य-गुरु ?

अगर आप शरीर नहीं तो आप कहाँ रहे काले, गोरे, नाटे, मोटे, लंबे, बीमार या स्वस्थ ? अगर आप शरीर नहीं तो आप कहाँ रहे मराठी, गुजराती. सिंधी, पंजाबी, अंग्रेजी, मद्रासी, पारसी, मारवाड़ी। अगर आप शरीर नहीं तो कौन होगा हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, चीनी, बौद्ध, जैन, पारसी, जापानी। अगर आप शरीर नहीं तो आप कहाँ रहे हँसमुख, होशियार, मंद, सकारात्मक, चुस्त, ईमानदार, दयावान, सुस्त । अब आप ही तो बचे शुद्ध, खालिस, कोरे, बिना रंग-रूप की कल्पना के । यही असली हम हैं, जो सर्वव्यापी, सर्वरूप है। इसे राम कहें या सेल्फ, स्वअनुभव, स्वसाक्षी, परम चैतन्य, तेजम् । यही वह अवस्था है, जहाँ भक्त का भगवान से मिलन होता है।..

ओशो

थाना प्रभारी निर्मल ने विद्यार्थियों को यातायात के नियमों की पालना करने के लिए किया प्रेरित

गजब हरियाणा न्यूज/ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । गांव बजीदपुर स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय में सडक सुरक्षा यातायात के नियमों को लेकर जागरुकता अभियान चलाया गया जिसमें थाना सदर प्रभारी निर्मल सिंह ने यातायात के नियमों की जानकार दी। उन्होंने विद्यार्थियों को दो पहिया और चार पहिया वाहन चलाने संबंधी नियमों को विस्तार से बताया। साथ ही विद्यार्थियों को बगैर लाइसेंस के वाहन नहीं चलाने की बात कही। 18 वर्ष की आयु पूर्ण होन पर लाइसेंस बन जाने के बाद ही वाहन चलाएं। बाइक पर हेलमेट पहने। कार में सीट बेल्ट लगाकर बैठें। रोड पर अपनी साइड में चलें।

यातायात नियमों को अपने घर पर भी पालन करने के लिए कहें। जीवन में अनुशासित रहना सफलता का सबसे बड़ा मूल मंत्र घर और बाहर अनुशासित रहना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि सडक पर चलते समय वाहन जल्दबाजी में तेज गति से न चलाएं। आत्म रक्षा, छात्राओं और बालकों के लिए बनाए गए कानून और इनका फायदा कैसे लिया जा सकता है, साथ ही सामाजिक बुराईयों और शोषण से किस तरह से सामना कर उसका विरोध किया जा सकता है इस विषय पर विस्तार से जानकारी दी।

थाना प्रभारी ने विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के इस्तेमाल, सावधानियां और साइबर अपराध के प्रति जागरूक किया गया। उन्होंने कहा अगर आपके खाते से पैसे काट जाते हैं तो तुरंत 1930 नंबर डायल करके जानकारी दें। बेटियों को सुरक्षा के प्रति सतर्क कर 112,1091 जैसे हेल्पलाइन सेवा के बारे में जानकारी दी गई।

इस मौके पर स्कूल स्टाफ सीमा रानी, अरविंद्र कुमार,अरुणा शर्मा,मलकीत सिंह, संजीव कुमार इंचार्ज प्राइमरी,विक्रम सिंह,जय कुमार, रविन्द्र कुमार, चंद्रहास, ग्रामीण केहर सिंह, हुक्म चन्द, बचना राम,प्रेम चन्द, वीरेन्द्र रॉय, ओमप्रकाश मौजूद रहे।

गन्ने की रुकी पैमेंट नहीं दिए जाने से खफा किसान इंद्री में एसडीएम कार्यालय के सामने गरजे

गजब हरियाणा न्यूज/नरेन्द्र धूमसी

करनाल । गन्ना संघर्ष समिति भादसों व गन्ना उत्पादक किसान प्रदर्शन करते हुए तहसील प्रांगण में पहुंचे और शुगर मिल पर 92 करोड़ रूपए बकाया व सौतेला व्यवहार करने के आरोप लगाते हुए मिल के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने शुगर मिल पर आऊट ऐरिया के गन्ने की नगद पैमेंट दिए जाने के आरोप लगाए। इस दौरान किसानों ने एक मांगपत्र एसडीएम को सौंपा। प्रदर्शन की अगुवाई वरिष्ठ किसान रामपाल चहल व मनजीत चौगावां ने की। किसान नेताओं ने चेतावनी दी कि उनकी सुनवाई नहीं हुई तो आंदोलन कर देंगे।

किसानों ने एसडीएम को सौंपे मांगपत्र में बताया कि तीन मार्च को समिति की अगुवाई में शुगर मिल पर एक किसान महापंचायत रखी गई थी जिसमें मिल प्रशासन से किसानों के गन्ने का भुगतान समय पर किए जाने की मांग की गई थी और मिल की ओर से आश्वासन दिया गया था कि 20 मार्च तक 28 फरवरी तक शुगर मिल में तुले गन्ने का भुगतान कर देंगे और जब 20 फरवरी तक के गन्ने की पैमेंट छह अप्रैल तक भी नहीं की गई तो सात अप्रैल को समिति ने बैठक बुलाई जिसमें क्षेत्र के किसानों के गन्ने के करीब 92 करोड़ रूपए बकाया व आऊट ऐरिया का गन्ना बंद किए जाने की बात रखी गई लेकिन किसानों को संतोषजनक जवाब नहीं मिला। किसानों का आरोप है कि क्षेत्र के किसानों के गन्ने की पैमेंट रोक रखी है जबकि ऑऊट ऐरिया के गन्ने का भुगतान नगद किया जा रहा है।

इस मौके पर तेजपाल बरसालू, मनजीत चौगावां, राहुल गोयत, सूखविंदर धुमसी, बलकार शेखपुरा, ईलम सिंह गुरनाम, प्रदीप आदि मौजूद रहे।

शुगर मिल पर किसानों के गन्ने का करीब 92 करोड़ बकाया:रामपाल चहल

किसान नेता रामपाल चहल का कहना है कि हर वर्ष सीजन में किसानों को मिल द्वारा परेशान किया जाता है। गन्ने का अब भी करीब 92 करोड़ रूपए बकाया है। दो महीने से पैमेंट रुकी है बल्कि मिल द्वारा आऊट ऐरिया का गन्ना लेकर नगद पैमेंट कर रहा है और क्षेत्र के किसानों की पैमेंट रोकी है। पहले बैठक में 88 करोड़ बकाया सामने आया था और बढकर बकाया 92 करोड़ हो गया। हमें 20 मार्च को फरवरी की पैमेंट क्लीयर करने की बात कही गई थी लेकिन पैमेंट रोक दी गई। हम ऐसा बर्दाश्त नहीं करेंगे। हमारी पैमेंट भी नगद दी जाए। हमें मजबूरन एसडीएम के पास आना पड़ा। यदि हमारी सुनवाई नहीं हुई तो हम आंदोलन करेंगे, जो मिल प्रशासन व प्रशासन को भारी पड़ेगा।

सुनवाई नहीं हुई तो आंदोलन करने को होंगे मजबूर: मनजीत

किसान नेता मनजीत चौगावां ने कहा कि हमारा 57 दिन के गन्ने का बकाया है। इस एरिया के किसानों की अनदेखी की जा रही है। हम अपनी मांग लेकर एसडीएम के पास पहुंचे हैं यदि कार्रवाई नहीं हुई तो हम किसान आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

कार्यक्रम में जातीय व्यवस्था पर चर्चा संगठन को मजबूत करने पर भी दिया बल

गजब हरियाणा न्यूज/नरेन्द्र धूमसी

करनाल । फुले शाहू अम्बेडकर युवा मंच,इंद्री (करनाल) के तत्वाधान महामना ज्योतिबा फुले जी व बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती के उपलक्ष्य में सयुंक्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर विलायती राम पंवार एवं वशिष्ट अतिथि सम्राट सिंह ने शिरकत की। अध्यक्षता सांतड़ी के सरपंच विक्रम सिंह ने की। मंच का संचालन रवि कुमार ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत डा. अंबेडकर जी व ज्योतिबा फूले जी के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर किया गया।

विलायती राम ने बहुजन महापुरुषों के जीवन के बारे में बताया एवं देश के वर्तमान राजनीतिक ढांचे पर चर्चा की

सम्राट सिंह ने भारत के इतिहास को रखा और जाति को देश के लिए सबस खतरनाक बताते हुए बाबा साहेब डॉ आंबेडकर जी की किताब जातिभेद के उच्छेद पर चर्चा की। उन्होंने जातीय व्यवस्था पर प्रकाश डाला और भारतीय इतिहास में किस तरह जातिवादी व्यवस्था की वजह से आई गुलामी पर चर्चा की। कार्यक्रम में वक्ता मास्टर मानसिंह चंदेल, प्रेम कलरी, प्रदीप चौहान सरपंच,नसीब बौद्ध कैथल, मास्टर विनोद भारतीय, रवींद्र तलाव, एडवोकेट कर्मबीर कश्यप, रवि खानपुर आदि ने अपने-अपने विचार सांझा किए। बाबा साहब और ज्योतिबा फूले की जीवनी एवं उनके द्वारा समाज के हित मे किये कार्यो को वक्ताओं द्वारा व्याख्यान किया गया। वक्ताओं ने बाबा साहेब के विचारों को आगे बढ़ाने और गांव स्तर तक प्रसारित करने के लिए और संगठन को मजबूत करने के लिए विलायती राम पंवार को फुले शाहू अम्बेडकर युवा मंच के सरंक्षक पद की जिम्मेवारी दी गई। शिक्षक मानसिंह चंदेल ने कहा कि कार्यक्रम में सामाजिक समानताएं , वैचारिक स्वंतत्रता व महापुरुषों ने जो उपदेश दिया है, उसी को लेकर कार्यक्रम आयोजित किया गया। ऐसे कार्यक्रमों में भाग लेना ही बड़ी बात है। कार्यक्रम के माध्यम से संदेश दिया कि समाज में समानता बनी रहे, सभी एकजुट हों और सामाजिक रूप से समाजों में जो द्वेष फैलाया जा रहा है, वो कम हो। कार्यक्रम में शिक्षक महेंद्र कंबोज, रवि कुमार, संतलाल, सरपंच जितेंद्र कलरी, रॉयल, बंटी, ईश्वर, सतबीर मान, अंकित, दिनेश, कृष्ण, रुचिन, कर्मजीत खेड़ा, संजीव लाम्बा, सोनी रिंडल, राजेश छापर, सोनू उमरपुर, नरेश उमरपुर, संदीप इंद्री, नरेश शेरगढ़, शमशेर रंबा, विकास, प्रधान ओम प्रकाश, सोनू समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

शिक्षित बनने से ही हम कर पाएंगे तरक्की: विक्रम सरपंच

सरपंच विक्रम सिंह ने आयोजकों का आभार जताते हुए कहा कि कार्यक्रम में बताए विचारों का अनुशरण करें। शिक्षा हासिल करके आप आर्थिक तौर पर भी मजबूत होंगे और तरक्की करेंगे। कार्यक्रम में सविधान निर्माता डा. भीमराव अंबेडकर जी व महामना ज्योबिा फूले जी के जीवन पर प्रकाश डाला गया। अपने बच्चों को पढ़ाए लिखाएं और बच्चों का फ्यूचर बेहत्तर बनाएं।

नोडल अधिकारी हरप्रीत कौर ने किया पिपली मंडी का दौरा अधिकारियों को दिए मंडी से उठान में तेजी लाने के निर्देश

गजब हरियाणा न्यूज/रविंद्र

पिपली । पिपली अनाजमंडी की नोडल अधिकारी हरप्रीत कौर ने वीरवार को पिपली मंडी का दौरा कर गेहूं की खरीद, उठान व अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान नोडल अधिकारी ने आढ़ती व किसानों से भी बातचीत की। मार्किट कमेटी के सचिव जसबीर सिंह ने मंडी में खरीद व अन्य कार्यों का नोडल अधिकारी को ब्यौरा दिया। इस बीच पिपली अनाजमंडी आढ़ती एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने नोडल अधिकारी को मंडी में उठान में तेजी लाने की मांग की। जिस पर नोडल अधिकारी ने उन्हें आश्वासन दिया कि उठान का कार्य तेज किया जाएगा।

नोडल अधिकारी हरप्रीत कौर ने मंडी में शौचालय और पीने के पानी, किसानों के लिए सुविधाएं और अन्य इंतजाम का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने उन्हें बताया कि पिपली मंडी में अब तक पिपली मंडी में 1 लाख 11 हजार क्विंटल बिकवाली के लिए आई है। जिसमें से 13 हजार क्विंटल डीएफएससी और 73 सौ क्विंटल हैफेड ने खरीदी है, जबकि मंडी में गेहूं के उठाने के लिए स्पैशल लगाई गई है, जो डायरेक्टर एफसीआई को भेजी गई है। पिपली अनाजमंडी आढ़ती एसोसिएशन के पूर्व महासचिव एवं जिला सचिव धर्मपाल मथाना ने नोडल अधिकारी को बताया कि मंडी में उठान में देरी हो रही है, जिसके चलते

मंडी में जगह की कमी पड़ रही है। उन्होंने उठान के कार्य में तेजी लाने के लिए नोडल अधिकारी से अनुरोध किया। नोडल अधिकारी ने आढ़तियों को निर्देश दिए कि मौसम से गेहूं को बचाने के लिए तिरपाल व कैरेटों का प्रबंध किया जाए। मार्किट कमेटी के सचिव जसबीर सिंह ने नोडल अधिकारी को बताया कि मंडी में आढ़तियों को मौसम के खराब होने पर पांच कवर शैड दिए गए हैं। इस मौके पर पिपली अनाजमंडी आढ़ती एसोसिएशन के प्रधान जोगेंद्र रामगढ़ व अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

सृष्टि एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट ने परीक्षा में अव्वल स्थान लेने वाले छात्रों को किया सम्मानित

छात्र सम्मान समारोह में उप जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी राजकुमार तुषार ने बच्चों को पहनाए मैडल

गजब हरियाणा न्यूज/ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र,गांव बजीदपुर के राजकीय माध्यमिक विद्यालय वीरवार को सृष्टि एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट(रजि.) द्वारा बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के 132 वें जन्मोत्सव पर होनहार छात्र - छात्राओं के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में नर्सरी से आठवीं कक्षा तक के होनहार छात्र-छात्राओं को शिक्षा, खेल व अन्य उपलब्धियां हासिल करने पर मेडल पहनकर सम्मानित किया। समारोह में मुख्यातिथि के रूप में उप जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी राजकुमार तुषार और अध्यक्षता थाना सदर पिपली के एसएचओ निर्मल सिंह पहुंचे। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में मीडिया वेलफेयर क्लब कुरुक्षेत्र के प्रधान बाबूराम तुषार, डॉ.रणजीत फुलिया पूर्व अधिकारी, गुरदयाल सिंह पूर्व एडीओ, अर्जुन सिंह पूर्व पुलिस अधिकारी, दयानंद खीची पूर्व अधिकारी मौजूद थे।

सर्वप्रथम बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जी के चित्र पर पुष्प अर्पित किए गए। उप जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी राजकुमार तुषार ने कहा कि वे ट्रस्ट के प्रधान जरनैल सिंह रंगा को बधाई देते हैं, जिन्होंने विद्यार्थियों को सम्मानित करने का अहम कार्य किया। उन्होंने कहा कि स्कूल में छात्रों को पढ़ाने में अभिभावकों, टीचरों और सामाजिक संस्थाओं का विशेष योगदान होता है। जो उनका पढ़ाई के साथ -साथ सामाजिक ज्ञानवर्धन करते हैं।

थाना सदर प्रभारी निर्मल सिंह ने कहा कि आज युवा वर्ग यातायात नियमों की अवहेलना करते हैं। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे हमेशा हेलमेट पहनें और अभिवकों को 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को वाहन न दें, जो कि एक जुर्म है। उन्होंने विस्तार से यातायात नियमों पर भी प्रकाश डाला। सृष्टि एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रधान जरनैल सिंह रंगा ने सभी अतिथिगणों का आभार व्यक्त किया। सरपंच विक्रम सिंह के पिता नंबरदार ईश्वर चन्द ने अपनी तरफ से प्रिंटर विद्यालय स्टाफ को सौंपा। पुलिसकर्मी मेहर सिंह द्वारा बच्चों को मिठाई बांटी गई। इस मौके पर मिडल स्कूल स्टाफ सीमा रानी, अरविंद्र कुमार,अरुणा शर्मा, मलकीत सिंह, संजीव कुमार इंचार्ज प्राइमरी, विक्रम सिंह,जय कुमार, रविन्द्र कुमार, चंद्रहास, ग्रामीण केहर सिंह, हुक्म चन्द, बचना राम,प्रेम चन्द, वीरेन्द्र रॉय, ओमप्रकाश सहित महिलाएं मौजूद रहे।

संविधान कार्यान्वयन रैली का आयोजन किया

गजब हरियाणा न्यूज/ जरनैल रंगा

कैथल । मूलनिवासी सभ्यता संघ के आह्वान पर संविधान कार्यान्वयन रैली का आयोजन किया गया, रैली एवं सभा का आयोजन जवाहर पार्क से शुरू होकर पेहवा चौंक होते हुए अम्बेडकर चौंक सीवन गेट कैथल पहुंचा। इस रैली की अध्यक्षता मूलनिवासी संघ के प्रदेश अध्यक्ष कमलकांत वर्मा व बामसेफ के जिला अध्यक्ष रामनिवास मुवाल ने संयुक्त रूप से की। रैली को संबोधित करते हुए रामनिवास मुवाल ने कहा कि सरकार भारत के संविधान को मनमाने तरीके से इस्तेमाल कर रही है,एक लोकतांत्रिक सरकार को ऐसा नहीं करना चाहिए। एडवोकेट राजेश कापड़ो ने कहा कि मौजूदा सरकार में मूसलमानों पर हमले किए जा रहे है और उनकी मस्जिदों में जाकर गुंडातत्व सरेआम हमले कर रहे है। सरकार को अपना संवैधानिक दायित्व एवं संवैधानिक नैतिकता निभानी चाहिए।

एससी/बीसी एकता मंच के जिला अध्यक्ष एडवोकेट धर्मपाल रति ने कहा कि यह देश संविधान के तरीके से ही आगे बढ़ सकता है, संविधान को नजरंदाज करने से देश पतन की ओर बढ़ेगा।

इस अवसर पर सुभाष जांगड़ा ने कहा कि भारत का संविधान सभी नागरिकों की सुरक्षा करता है।

बामसेफ के राष्ट्रीय संगठन सचिव सुरेश द्रविड़ ने कहा कि हमारा संविधान जन्म से लेकर मृत्यु तक हम सभी की सुरक्षा करता है।

आज इस अवसर पर बलबीर शास्त्री, प्रेम जांगड़ा,रामेश्वर किठाना, इंद्र सिंह धानिया, कर्मबीर पठानिया, बिजेंद्र राठी, शमशेर कालिया, जोगेंद्र ठेकेदार, जगदीश सिरोही, राजपाल, कर्मबीर सिरोही, प्रकाश चन्द्र,लाल सिंह धानिया,नसीब बौद्ध, मनोज बौद्ध, रमेश कुतुबपुर, सुभाष कुण्डु तितरम, दलबीर राठी, राजेश सिंहमार, रामदास सौदा, गुरदेव जांगड़ा, सरदार हरदेव सिंह, कृष्ण नैन, शमशेर किठाना, कृष्ण रंगा, धूप सिंह बोल्या आदि भी उपस्थित रहे।

सार्वजनिक स्थानों पर जहां 100 से अधिक भीड़-भाड़ रहती है वहां मास्क लगाना अनिवार्य : शांतनु

गजब हरियाणा न्यूज/ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, उपायुक्त शांतनु शर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की एडिशनल चीफ सेक्रेटरी की और आदेश जारी किए गए है। जिसके तहत हरियाणा में सार्वजनिक स्थलों पर मास्क लगाना अनिवार्य किया गया है।

कोरोना के बढ़ते मामलों के चलते सरकार ने ये फैसला लिया है। बढ़ते कोरोना के मामलों को लेकर जारी पत्र में हरियाणा में जहां 100 से अधिक की भीड़ होती है वहां और सरकारी कार्यालयों व मॉल आदि भीड़भाड़ वाले स्थलों पर मास्क लगाना अनिवार्य किया गया है।

उपायुक्त शांतनु शर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की एडिशनल चीफ सेक्रेटरी की और से हरियाणा के सभी उपायुक्त और जिला सिविल सर्जनों को आदेश जारी किए गए हैं।

इन आदेशों में हरियाणा में बढ़ते केसों की संख्या को देखते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के सभी स्वास्थ्य कर्मियों को भी बूस्टर डोज लेने के आदेश दिए गए हैं। वहीं जहां 100 से अधिक लोग एकत्र होते हैं, वहां मास्क अनिवार्य किया गया है। पिछले कुछ दिनों से जिलों में कोरोना से संक्रमित संभावित नमूनों की संख्या भी बढ़ाई गई है और टीकाकरण के लिए लोगों को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि कोरोना के बढ़ते केसों को लेकर घबराने की जरुरत नहीं है। आमजन को केवल सतर्कता बरतने की जरूरत है।

पिपली चौक की बजाए पैराकिट और बस स्टेंड पर ही खड़ी होगी बसें

आदेशों की अवहेलना पर होगी कार्रवाई : हरप्रीत

गजब हरियाणा न्यूज/ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । हरियाणा राज्य परिवहन कुरुक्षेत्र की महाप्रबंधक हरप्रीत कौर ने कहा कि विद्यार्थियों और आमजन की सुविधा को जहन में रखते हुए दिल्ली से चंडीगढ़ जीटी रोड पर अब बसों का ठहराव पिपली पैराकीट में होगा। इतना ही नहीं कोई भी बस चालक पिपली चौक पर बसों का खड़ा नहीं करेगा। जो भी बस चालक आदेशों की अवहेलना करेगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई भी अमल में लाई जाएगी।

जीएम रोडवेज हरप्रीत कौर ने जारी आदेशों में कहा कि पिपली चौंक पर यातायात साधन अधिक होने के कारण जाम की स्थिति बनी रहती है, इस जाम को लेकर आमजन की तरफ से लगातार शिकायते भी मिल रही है और यातायात ज्यादा होने के कारण दुर्घटना होने की संभावना भी बनी रहती है। इसके अलावा एडीसी की अध्यक्षता में सडक सुरक्षा की बैठक में भी निर्णय लिया गया कि पिपली चौंक पर रुकने वाली सभी बसों को पिपली पैराकीट में ठहराव किया जाए और पिपली चौंक पर रुकने वाली बसों का ऑनलाइन चालान भी किया जाए।

उन्होंने सभी चालकों को निर्देश देते हुए कहा कि यमुनानगर से कैथल-पिहोवा साईड जाने वाले वाहन चौंक पार करने उपरांत पिपली निर्धारित बस क्यू शैल्टर पर बसों का ठहराव करना सुनिश्चित करेंगे तथा दिल्ली से चंडीगढ़ जाने वाले वाहन पिपली पैराकीट व चंडीगढ़ से दिल्ली जाने वाले वाहन पिपली बस स्टैंड पर बसों का ठहराव करना सुनिश्चित करेंगे। सभी चालकों को यह भी निर्देश दिए गए है कि बसों को पिपली पैराकीट के अंदर रुकवाकर यात्रियों, विद्यार्थियों को उतारने-चढ़ाने व उपरोक्त मार्ग पर अन्य राज्यों की संचालित बसों को पिपली पैराकीट के अंदर रुकवाकर पार्किंग फीस वसूलना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जो भी बस चालक आदेशों की अवहेलना करेगा उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

श्रद्धालुओं ने हर्षोल्लास से मनाया गद्दीनशीन श्री 108 संत जैनदास हितकारी महाराज का 52वां जन्मदिवस

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर । श्री गुरु रविदास आश्रम दयालगढ साहब में श्रद्धालुओं ने गद्दीनशीन श्री 108 संत जैनदास हितकारी जी महाराज के (10 अप्रैल) जन्मदिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया और उनका 52वां जन्मदिन बड़े हर्षोल्लास मनाया। कार्यक्रम में दूर दराज से श्रद्धालु पहुंचे। जानकारी अनुसार श्री 108 संत जैनदास हितकारी जी महाराज जिन्होंने श्रद्धेय श्री 108 संत स्वामी स्वामी वीर सिंह हितकारी जी महाराज डेरा रंगपुर बुलंदशहर उत्तर प्रदेश दीक्षा प्राप्त की। संत जैन दास हितकारी जी महाराज गद्दीनशीन गुरु रविदास आश्रम दयालगढ़ दरबार साहिब यमुनानगर जो आश्रम पूरे दो एकड़ में फैला है। हर महीने के दूसरे रविवार को मासिक सत्संग और लंगर भंडारे का आयोजन भी किया जाता है।

संत संत जैनदास जी महाराज का जन्म 10 अप्रैल 1970 को गांव दयालगढ़ में हुआ। आश्रम में श्रद्धालुओं द्वारा उनका 52 वां जन्मदिवस मनाया गया। संत जैनदास हितकारी जी महाराज द्वारा हिमाचल प्रदेश के काशीपुर पुरूवाला जिला सिरमौर पांवटा साहिब में गुरु रविदास महाराज जी का आश्रम बनाया हुआ। उसके गद्दीनशीन भी हैं। आश्रम दो कनाल में बनाया हुआ है। जहां पर महीने के तीसरे रविवार को सत्संग व लंगर लगाया जाता है।

बता दें संत जैनदास हितकारी महाराज गृहस्थी संत हैं। धर्म उनकी सुपत्नी श्रीमती मेवा देवी और दो बेटे राजकुमार व चमन दास हैं। संत जैनदास के पिता का नाम बचना राम व माता का नाम मंशी देवी हैं।

1989 से प्रचार में लगे संत जैन दास महाराज

संत जैन दास महाराज 1989 से प्रचार में लगे हुए हैं। 1990 में नाम की दीक्षा सद्गुरु श्री 108 स्वामी वीर सिंह हितकारी के द्वारा हुई। कई वर्षों के बाद गुरुगद्दी मिली। डेरा दयालगढ़ में आठ बार रविदासिया कौम के धर्मगुरु एवं डेरा सचखंड बल्ला के श्री 108 संत निरंजन दास जी महाराज, श्री 108 संत रामानंद जी, श्री 108 संत लेखराज जी और डेरा मैनेजमेंट वार्षिक समारोह में शामिल हुए।

ट्रस्ट द्वारा मेडिकल व रक्तदान कैंप लगाने के अलावा समाहित में किए जाते अनेक कार्य

संत जैनदास हितकारी द्वारा समाज कल्याण में कई संस्करण प्रकाशित किए जो 2001 में प्रथम संस्करण, 2005 में रूहानी शहर सुमन, 2007 में रूहानी गुलदस्ता व 2008 में संत शब्द तरंग नानक नामक पुस्तक का विमोचन किया गया। इसके साथ ही ट्रस्ट द्वारा आश्रम में निशुल्क मेडिकल कैंप, रक्तदान शिविर व गरीब कन्याओं की शादी जैसे पुरुषार्थ कार्य किए जाते हैं। जिसमें सभी समुदायों के लोग गुरुगद्दी को नतमस्तक होते हैं।

संत जैनदास हितकारी महाराज के जीवन संबंधी कुछ महत्वपूर्ण तथ्य

मकर सक्रांति 10 अप्रैल 1970 जन्म स्थान गुरुगद्दी दयालगढ़ बुढिय़ा यमुनानगर हरियाणा। माता व पिता का नाम बचना रामजी, श्रीमती मंशी देवी, दादा व दादी का नाम संत पप्पू राम महाराज, माई तुलसा देवी सुपत्नी एवं सुपुत्र गुरु माता मेवा देवी, राजकुमार, चमनदास। शिक्षा दसवीं, आईटीआई मशीनिस्ट, डिप्लोमा इंजीनियर। पूज्य दादा गुरु का नाम : ब्रह्मलीन संत बाबा सनेही दास उत्तर प्रदेश। गुरुदेव का नाम - पूज्यपाद श्री 108 संत वीर सिंह हितकारी रंगपुर बुलंदशहर उत्तर प्रदेश। गुरु माता लज्जा देवी। सर्वप्रथम मिशन का नाम सर्व हितकारी सत्संग मंडल 1994 से प्रचलित है। वर्तमान में मिशन का नाम श्री गुरु रविदास जागृति मिशन रजिस्टर्ड जो 1 अप्रैल 2013 से रजिस्टर्ड है।

रायपुरानी में आयोजित बैठक में युवा जिला अध्यक्ष बने विजय कश्यप

गजब हरियाणा न्यूज/नरेन्द्र धूमसी

पंचकुला । हरियाणा युवा कश्यप राजपूत सभा (184) की बैठक रायपुरानी में हुई जिसमें युवा प्रदेश अध्यक्ष व इनेलो नेता मन्नू कश्यप घरौंडा ने बतौर अतिथि शिरकत की। यह जानकारी सुरेंद्र कश्यप ने दी। उनके अनुसार बैठक में सगठन को मजबूत करने पर बल दिया और विजय कश्यप रायपुर रानी को जिला प्रधान नियुक्त किया गया। हल्का प्रधान कालका सागर कश्यप, उप प्रधान जोरावर सिंह, महासचिव शमशेर सिंह सचिव, विशाल कश्यप, सचिव मनीष कश्यप, कैशियर अमरचंद, कार्यकारिणी सदस्य राजीव, सोनू, रमेश, अमर, गौरव, जयमल, आशीष आदि को नियुक्त किया गया। इस अवसर पर सभा के

सदस्य एडवोकेट कर्मवीर, रणधीर सुलखनी ,एडवोकेट राम कुमार, जय भगवान कश्यप, रघुनाथ कश्यप ,गोपाल मनाना, रविंद्र डाडलु सोनू टोर, चमेल शेखपुरा, तेजपाल कश्यप, बंसी कश्यप, विनोद कश्यप कश्मीरा कश्यप, अमनदीप कश्यप समेत बड़ी संख्यां में समाज के लोग उपस्थित रहे।

आप कार्यकर्ताओं ने गिरदावरी और मंडी में फसल खरीद न होने पर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, मंगलवार को आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने लघु सचिवालय कुरुक्षेत्र में एकत्रित होकर समय पर गिरदावरी और मंडियों में फसल खरीद नहीं होने पर जमकर नारेबाजी की और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सुप्रिडेंट दीपक कपिल को सौंपा।

आप के वरिष्ठ नेता विशाल खुब्बड ने बताया कि पूरे प्रदेश में किसान सरकार की नीतियों से भारी रोष में हैं पूरे प्रदेश की 20 लाख एकड़ फसल को बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से नुकसान पहुंचा है। जिसके कारण किसानों को भारी नुकसान हुआ है।

आप नेता जगबीर जोगनाखेडा ने बताया की 1 अप्रैल से स्पेशल गिरदावरी शुरू करवाई थी जो कि 10 दिनों में सिर्फ 2.50 लाख एकड़ हुई है। अब सिर्फ 5 दिनों में 17.50 लाख एकड़ फसल की गिरदावरी संभव नहीं लग रही है उधर गिरदावरी ना होने पाने के कारण खेतों में पड़ी गेहूं का दाना भी काला पड़ने लगा है।

आप नेता गुरुदेव सुरा ने बताया की पहले तो ई फसल पोर्टल नहीं चल रहा था अब सरकार किसानों की खराब फसल की गिरदावरी ना के बराबर करवा टाल रही है दूसरा जो किसान अपनी फसल को लेकर मंडियों में पहुंचे हैं उनकी खरीद भी शुरू नहीं हुई है।

नैबसिंह पटाकमाजरा ने कहा कि आम आदमी पार्टी मुख्यमंत्री जी से यह मांग करती है कि जल्द खराब फसल की गिरदावरी का काम पूरा करवाकर मंडियों में फसल की खरीद शुरू करवाए किसान भाइयों की हजारों किवंटल फसल बारदाने के बगैर खुले में पड़ी है इसलिए मंडियों में अधिकारियों की निगरानी में फसल खरीद तुरंत शुरू करवाई जाए।

इस अवसर पर सरबजीत सिंह, संजय अग्रवाल, डॉ रोहतास रंगा, ईश्वर अमीन, फूल सिंह, गोपाल मेहरा, जयपाल गुप्ता, अजमेर सिंह कश्यप, रमेश लोटनी, रामनिवास, जोगा सिंह, गुरदीप सिंह, दर्शन सिंह, साहिल बाबैन, राजेश चहल, हवा सिंह, मुनेश, रणबीर चहल आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने किया घरौंडा अनाज मंडी का दौरा
मंडी में गेहूं खरीद कार्य को लेकर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

गजब हरियाणा न्यूज/अमित बंसल

घरौंडा, मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अपने करनाल प्रवास के दौरान सोमवार सायं घरौंडा की अनाज मंडी का दौरा किया और गेहूं खरीद को लेकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने मंडी में गेहूं की गुणवत्ता को जांचा एवं उठान कार्य की जानकारी ली। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने किसानों से भी बातचीत की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गेहूं खरीद का कार्य मंडियों में सुचारू रूप से जारी है। बेमौसमी बारिश के कारण फसलों का नुकसान हुआ है तथा मंडियों में भी गेहूं लेट हुई है। उन्होंने कहा कि मंडियों में गेहूं की आवक 25 मार्च से शुरू होनी थी लेकिन बारिश के कारण इसमें देरी हुई है। उन्होंने कहा कि बारशि के कारण 10 से 20 प्रतिशत फसलों का नुकसान हुआ है। इसके लिए सरकार द्वारा स्पेशल गिरदावरी भी करवाई गई है। उन्होंने कहा कि मंडियों में गेहूं की आवक से भी हुए नुकसान का अंदाजा लगाया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बारिश के कारण गेहूं में नमी को लेकर उन्होंने केन्द्रीय मंत्री से भी बात की है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को

निर्देश दिए गए हैं कि मंडियों से गेहूं उठान का कार्य समय पर करवाए जाए तथा गेहूं की गुणवत्ता तथा उसमें नमी की भी जांच की जाए। इस अवसर पर घरौंडा के विधायक हरविन्द्र कल्याण भी उनके साथ मौजूद रहे।

सर्व समाज कल्याण सेवा समिति ने लगाया रक्तदान शिविर, 90 रक्तदाताओं ने किया रक्तदान
रक्तदाता होते है सही मायनों में समाज के वास्तविक हीरो : भानु विग

गजब हरियाणा न्यूज /जरनैल रंगा

कुरूक्षेत्र ।महात्मा ज्योतिबा फुले एवं डा. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में सर्व समाज कल्याण सेवा समिति द्वारा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के नॉन टीचिंग क्लब में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय गैर शिक्षक कर्मचारी संघ एवं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय मैस वर्कर यूनियन के सहयोग से 322वां रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 90 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर महात्मा ज्योतिबा फुले एवं डा. भीमराव अंबेडकर को नमन किया। शिविर में होटल प्रबंधन संस्थान की प्रधानाचार्य भानु विग बतौर मुख्यातिथि पधारी व अध्यक्षता कुवि के प्रिटिंग प्रैस के मैनेजर डा.एमके मौदगिल ने की। वहीं समाजसेविका रजवंत कौर, रामचंद्र नरकातारी, प्रवीण कुमार मथाना व होटल प्रबंधान संस्थान से संजीव सैनी विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। अतिथियों का शिविर में पधारने पर समिति के प्रदेशाध्यक्ष रामेश्वर सैनी, संरक्षक नरेश सैनी, प्रदेश उपाध्यक्ष कर्मवीर सैनी, मीडिया प्रभारी तरुण वधवा, जिलाध्यक्ष पुनीत सेतिया, शाहबाद प्रधान मदन लाल कथूरिया, नरेश व पूनम ने स्वागत किया। शिविर के शुभारंभ पर अतिथियों ने महात्मा ज्योतिबा फुले एवं डा. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनकी शिक्षाओं पर चलने का आह्वान किया। मुख्यातिथि भानु विग ने कहा कि रक्तदाता ही जीवन का असल हीरो है। जो रक्तदान कर कई लोगों का जीवन बचाने का काम करता है क्योंकि रक्त को किसी भी फैक्टरी मे तैयार नही किया जा सकता। खून केवल और केवल मानव शरीर में ही बन सकता है जिसका स्रोत रक्तदाता ही है। इस अवसर पर भरत, कपिल, कुंटिया के सह सचिव रुपेश खन्ना, उप प्रधान विक्रम सिंह, मैस वर्कर यूनियन के प्रधान रजनीश मिश्रा, अमृत लाल, डा. अभिनव, महासचिव सुभाष पारचा,

आनंद, किशन, तेजपाल आदि मौजूद रहे। शिविर में पार्थ ब्लड सेंटर से डा. श्वेता सैनी के नेतृत्व में तकनीकी अधिकारी संजीव वर्मा व उनकी टीम ने रक्त एकत्रित किया। मनिन्दर कुमार मौदगिल ने रक्तदाताओं से कहा कि वो इसी तरह रक्तदान कर जरूरतमंदों का जीवन बचाकर पुण्य के भागी बने जो मेरी नजर में एक महान कार्य है। रजवंत कौर ने कहा कि रक्तदान को अपनी नैतिक जिम्मेवारी मानते हुए हमें नियमित रक्तदान करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि रक्तदाता किसी अनजान व्यक्ति का जीवन तो बचता ही है साथ में उस व्यक्ति से जीवन भर का खून का रिश्ता भी स्थापित हो जाता है। तकनीकी अधिकारी संजीव वर्मा ने रक्तदाताओं से कहा कि रक्तदान करने से हमारे शरीर में किसी भी प्रकार की कमजोरी नहीं आती। हमारे रक्त का जो आयतन रक्तदान से कम होता है, उसे 24 घंटे में हमारा शरीर पूरा कर लेता है। रक्तदान से शरीर में नई ऊर्जा का संचार होता है। रक्तदान करने से कई बीमारियों से भी बचा जा सकता है। रामेश्वर सैनी ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। रामेश्वर सैनी ने बताया कि शिविर में 90 लोगों ने रक्तदान किया। उन्होने बताया कि शिविर में श्वेता लैब की ओर से श्वेता सैनी द्वारा लगभग 145 लोगों का एचबी व शुगर जांच किया।

पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र बनवाना हुआ आसान : उपायुक्त
सरल पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन बनवाया जा सकेगा प्रमाण पत्र

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर ।हरियाणा सरकार ने पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र बनवाने की प्रक्रिया को पहले से काफी आसान कर दिया है। अब कोई भी नागरिक सरल पोर्टल पर जाकर प्रमाण पत्र के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकता है। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत परिवार पहचान पत्र आधारित पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र के लिए यह सुविधा शुरू की गई है।

उपायुक्त राहुल हुड्डा ने बताया कि प्रदेश सरकार लोगों दी जाने वाली जनसेवाओं को सरल कर रही है ताकि भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म किया जा सके और सभी सरकारी कार्यों में पारदर्शिता आए। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए

सरकार की ओर से परिवार पहचान पत्र आधारित पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र की सुविधा को ऑनलाइन कर दिया है। अब परिवार पहचान पत्र में आय सत्यापन करवा चुका कोई भी नागरिक सरल पोर्टल पर जाकर पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकता है।

दयालपुर में मनाया गया फुले, अम्बेडकर जयंती समारोह

गजब हरियाणा न्यूज

कुरुक्षेत्र ।महात्मा ज्योतिबा फुले जी व डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती पर बहुजन स्टूडेंट वेल्फेयर एसोसिएशन व बहुजन समाज वेल्फेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में सम्मान समारोह रखा गया। जिन छात्रों ने शिक्षा,खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कने वाले, समाजसेवियों, लेखकों, कलाकारों, शिक्षकों, महिलाओं और जिन बच्चों की सरकारी नौकरी लगी है उन्हें सम्मानित किया गया। मंच संचालन गुरुदेव बड़सीकरी व प्रदीप पठानिया ने किया। बसवा टीम के सभी साथियो का बहुत बड़ा योगदान रहा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मान्यवर अनिल चौहान कार्यकारी अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग पहुंचे। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से समाज को सशक्त कर सकते है। हमारे जीवन मे शिक्षा का होना जरूरी और बसवा टीम लाइब्रेरी खोल कर बहुत ही सराहनीय कार्य कर रही है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि वरुण कंसल और मुख्य वक्ता के रूप में सूरजभान नरवाल प्रधान श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला रहे।

बसवा टीम हरियाणा के उपाध्यक्ष प्रवीन पठानिया ने पूरे हरियाणा से साथी पहुंचने पर धन्यवाद किया और सभी को फुले, अंबेडकर जयंती की बधाई दी। बसवा टीम के संस्थापक रोहतास मेहरा, गुरुदेव बड़सीकरी का संगठन को मजबूत करने में बहुत बड़ा योगदान है इन्हीं की बदौलत आज संगठन प्रदेश में अग्रणी भूमिका में आकर बच्चों को नई दिशा दे रहा है। समाज में हर गांव गांव लाइब्रेरी खोलने के लिए जहां भी जरूरत होती है उन बच्चों के पाठ्य सामग्री देकर मदद की।

इस मौके पर वक्तागण दिनेश खापड़, गांव के सरपंच सीमा पांचाल, सुरेश पांचाल, प्रदीप पांचाल, प्रिंसिपल रामकरण जी, संजीव अम्बेडकर, डॉ अजित चहल, मिहा सिंह रंगा, स्वीटी रंगा, मनोज बोद्ध सहित समाजसेवियों ने अपना वक्तव्य रखा इस मौके पर हरियाणा भर से अलग अलग जिलों से समाजसेवी पहुंचे। प्रदेशाध्यक्ष बसवा हरियाणा अमित बेलरखा, प्रदीप पठानिया, ओमप्रकाश,सतीश, अमन, रजत, रोहित, साहिल सहित सैंकड़ों लोग मौजूद रहे।

रादौर में चला पीला पंजा

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर। जिला नगर योजनाकार डीआर पचीसिया की अध्यक्षता में रादौर में तोड़-फोड़ अभियान चलाया गया। रादौर में ग्राम छोटा बांस स्थित लगभग 1 एकड़ क्षेत्रफल वाली अनाधिकृत कालोनी में अपराधियों द्वारा 1 दुकान का निर्माण किया गया था। इसके लिए 15 मार्च 2023 को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था।

डीटीपी डीआर पचीसिया ने बताया कि इस अवैध निर्माण को तोडने् के लिए तहसीलदार रादौर को डयूटी मैजिस्ट्रेट के रूप में नियुक्त किया गया था और रादौर के एसएचओ ने पुलिस बल उपलब्ध करवाया और इस मौके पर पटवारी अनिल कुमार भी उपस्थित रहे।

डीटीपी ने जिले की जनता से अपील की है कि वह ऐसी अनाधिकृत

कॉलोनी में अपनी गाढ़ी कमाई का निवेश ना करे। भूखंड खरीदने से पहले डीटीपी कार्यालय में संपर्क करें। उन्होंने यह भी कहा कि नियंत्रित क्षेत्र में कोई भी निर्र्माण करने से पूर्व भूमि उपयोग परिवर्तन अनुमति प्राप्त करने के लिए नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग के पोर्टल में आवेदन करने एवं अधिक जानकारी के लिए यदि आवश्यक हो तो किसी भी कार्य दिवस में जिला नगर योजनाकार कार्यालय में सम्पर्क किया जा सकता है।

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक जरनैल सिंह द्वारा ढिंगंरा प्रिटिंग प्रैस, अग्रसैन चौंक, मोहन नगर, कुरुक्षेत्र से छपवाकर कार्यालय 'गजब हरियाणा' कोठी नं0 890 पी, सैक्टर-4, अर्बन इस्टेट कुरुक्षेत्र जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा से प्रकाशित व मुद्रक किया। सम्पादक जरनैल सिंह (91382-03233) **Registration Namber : HAR/HIN /2018/77311**